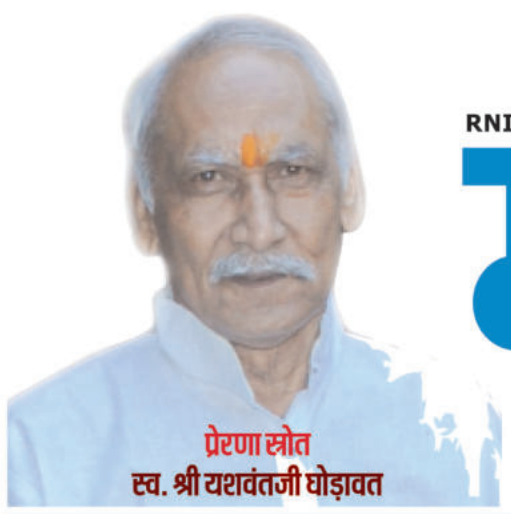

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

कोई कितना ही बड़ा क्यों न हो, अंधों की तरह उसके पीछे न चलो।

स्वामी विवेकानंद

वर्ष-06, अंक - 14 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 28 दिसम्बर 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

मोहन के महारथी पर... मोदी ग्यारंटी पूरी करने की जिम्मेदारी

माही की गूंज, झाबुआ।

विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए लंबा मंथन, मुख्यमंत्री के बाद मंत्रिमंडल गठन के लिए लंबा मंथन और मंत्रिमंडल गठन के पश्चात विभाग वितरण में इतना लंबा समय लगने से आम लोगों में यह धारणा बन रही है कि, भले ही ऊपरी तौर पर भाजपा एकजुट दिखाई दे रही है लेकिन अंदर खाने सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

इसके पीछे तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार भी गर्म हौ लेकिन वास्तविकता क्या है यह तो भाजपा वाले ही जाने। लेकिन इतना तय है कि इतने गहन विचार-विमर्श के कई मायने हो सकते हैं?

आगामी लोकसभा चुनाव में क्लीन स्वीप का लक्ष्य लेकर चलने वाली भाजपा सरकार के गठन में फूक-फूक कर कदम रख रही है। मुख्यमंत्री चयन और मंत्रिमंडल का गठन इस बात का संकेत है कि, भाजपा का लक्ष्य आगामी लोकसभा चुनाव ही है और इसके लिए हर वो प्रयास किया जा रहे हैं जो भाजपा को लाभ पहुंचा सके। बहरहाल लाभ कितना मिल पाता है यह तो आगामी लोकसभा चुनाव परिणाम ही तय करेंगे।

रतलाम लोकसभा में तीन मंत्री

शिवराज सरकार में रतलाम संसदीय क्षेत्र अधिकतर समय मंत्री विहीन रहा। लेकिन मोहन मंत्रिमंडल में 3 मंत्री बनाकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह साफ कर दिया है कि, भाजपा की इतनी बड़ी लहर में भी झाबुआ-अलीराजपुर क्षेत्र में भाजपा के पिछड़ने को भाजपा शीर्ष नेतृत्व गंभीरता से ले रहा है और आगामी लोकसभा चुनाव में इसे खतरे की घंटी समझकर अभी से तैयारी में जुट गया है। झाबुआ जिले के संदर्भ में देखे तो यहां से कांतिलाल भूरिया कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हैं। उसके बाद शिवराज सरकार में निर्मला भूरिया को कुछ समय के लिए राज्य मंत्री बनाया था। वहीं रतलाम शहर से शिवराज सरकार में हिम्मत कोठारी गृहमंत्री रहे थे उसके बाद चेतन कश्यप को मौका मिला है। अलीराजपुर जिले में भी लंबे समय बाद (कांग्रेस सरकार में सुलोचना रावत मंत्री रही थी) नागरसिंह चौहान को कैबिनेट में जगह मिली है।

मोदी की ग्यारंटी पूरी करने की बड़ी जिम्मेदारी

मध्य प्रदेश में सरकार के गठन के बाद अब मोहन के महारथियों पर डबल इंजन की सरकार से मोदी की गारंटी को पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी है। बड़े बहुमत की सरकार से उम्मीदें भी बड़ी है अब इन उम्मीदों को कितना पूरा कर पाते हैं यह तो आने वाला समय ही बताएगा। मुख्यमंत्री चयन में चौंकाने वाले फैसले के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के लिए वरिष्ठ मंत्रियों को साथ लेकर चलने की बड़ी जिम्मेदारी डॉक्टर मोहन यादव पर है। ऊपरी तोर यह मंत्रिमंडल काफी संतुलित और सधा हुआ लग रहा है इसमें अनुभव के साथ ही युवा जोश, जाति, क्षेत्र और अन्य समीकरणों को पूरा साधने का प्रयास किया गया है। लेकिन किसी भी कार्य का आकलन कार्य पूर्ण होने के बाद ही संभव है और इस सरकार के कार्यों का आकलन भी सरकार द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर आम जनता के द्वारा ही किया जाएगा। लेकिन उसके पूर्व आगामी लोकसभा चुनाव में इनका लिटमस टेस्ट अवश्य होगा सरकार लिटमस टेस्ट में सफल होना सरकार की कार्यशीली को बेहतर करेगा। वही असफल होने पर सवाल उठना लाजिमी हैं।

सीनियरिटी या कई बार जीत भी मंत्री पद की गारंटी नहीं...!

भोपाल। मध्य प्रदेश में मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार के नए मंत्रिमंडल में कई नए चेहरे हैं तो कुछ पुराने दिग्गजों को भी जगह दी गई है। लेकिन कई कद्दावर ऐसे भी हैं, जिनका मंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा था लेकिन मंत्रियों की सूची में इनका नाम नदारद था। इसके पीछे जातिगत-क्षेत्रीय समीकरणों के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की भविष्य के लिए नई लीडरशिप तैयार करने की रणनीति को प्रमुख वजह बताया गया।

मोहन मंत्रिमंडल में शामिल भाजपा के कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि, कैबिनेट में सिर्फ 15 फीसदी विधायक ही मंत्री के रूप में शामिल किए जा सकते हैं। सबको मंत्री पद नहीं मिल सकता। इसलिए कुछ वरिष्ठ नेताओं का छूट जाना स्वाभाविक है। विजयवर्गीय का ये बयान भी सही है। भाजपा को 160 से ज्यादा सीटों पर जीत मिली है। अब सरकार में इतने मंत्री तो बनाए नहीं जा सकते। लेकिन सवाल ये भी उठ रहे हैं कि, क्या सीनियर होना या कई बार लगातार जीत भी मंत्री पद की गारंटी नहीं है...? मध्य प्रदेश की कैबिनेट में शामिल होने से कई कद्दावर नेता किन वजहों से चूक गए...?

दरअसल, मोहन यादव मंत्रिमंडल में सीएम के साथ दो डिप्टी सीएम पहले से ही थे। ओबीसी सीएम के साथ सरकार में एक ब्राह्मण और एक दलित चेहरे को डिप्टी सीएम बनाया गया था। नई सरकार के पहले मंत्रिमंडल विस्तार में 18 कैबिनेट मंत्री, छह स्वतंत्र प्रभार के राज्यमंत्री और चार राज्यमंत्री बनाए गए। नए मंत्रिमंडल में जयंत मलैया, गोपाल भार्गव, बिसाहूलाल सिंह, मीना सिंह, भूपेंद्र सिंह, डॉक्टर प्रभुराम चौधरी, बृजेंद्र सिंह यादव के साथ ही पूर्व सीएम वीरेंद्र सकलेचा के बेटे ओमप्रकाश सकलेचा, पिछली सरकार के एकमात्र सिख मंत्री हरदीप सिंह डंग और संस्कृति और पर्यटन मंत्री ऊषा ठाकुर जैसे कद्दावर विधायकों और पिछली सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के नाम नदारद हैं।

यह कैसा सुशासन...? जहां शासन-प्रशासन का नहीं बल्कि माफियाओं का राज व उसका आतंक हो...

माही की गूंज, संजय भटेवरा

अलीराजपुर। जहां एक तरफ 25 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पर भाजपा सरकार सुशासन दिवस मना रही है। वहीं दूसरी ओर मोदी के मन में रहे मोहन सरकार मध्य प्रदेश में सुशासन को मुख्य प्राथमिकता बता रहे हैं। ऐसे में अगर माफियाओं का आतंक व उनका राज होना सामने आता है तो ऐसे में शासन व प्रशासन के लिए हम क्या कहेंगे...? यह बड़ा सवाल खड़ा होता है।

अलीराजपुर जिले की बात करें तो यहां शराब माफियाओं का आतंक व इनके हौसले प्रशासनिक व राजनीतिक हल्को से ही संरक्षण प्राप्त इनके हौसले इतने बुलंद है कि, उनके कारोबार में आडे आने वाले भले ही उनको संरक्षण देने वाले ही क्यों न हो उनको भी अपना आतंक व दबदबा बताने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। जिसका नजारा जनता के सामने पूर्व में भी आ गया है। जिसमें शराब माफियाओं एवं गुर्गो ने संबंधित प्रशासनिक अमले पर भी हमला कर दिया था और अलीराजपुर एवं कुक्षी के आतंकियों व माफियाओं के विरुद्ध जब अपने गिरेबान पर हाथ डाला उसके बाद प्रशासन ने सख्त कार्यवाही की। यहां तक की बड़ा शराब माफीया उर्फ ठेकेदार पिंटू भाटिया के विरुद्ध भी मामला दर्ज किया। तथा प्रशासनिक अमले पर हमला करने वाले के मकान भी जमीदोज किए गए।

ऐसी सख्त कार्रवाई सिर्फ और सिर्फ माफियाओं के विरुद्ध प्रशासन तभी करता है जब उनके गिरेबान पर कोई हाथ डाल दे। लेकिन माफियाओं के आतंक से आम व्यक्ति कितना भी भयभीत हो या माफियाओं के आतंक से रूबरू हो तो भी उससे शासन के नुमाइंदो को कोई लेना-देना नहीं होता है जिन्होने माफियाओ व आतंकियों के समक्ष अपनी वर्दी व अपनी पूरी कर्तव्यनिष्ठा को गिरवी रख दिया है।

बात करें हाल ही में तीन-चार दिन पूर्व अलीराजपुर जिले के छकतला की शराब दुकान व गोदाम पर हुई घटना कि तो शराब गोदाम में बड़ी मात्रा में गुजरात पासिंग चार पहिया वाहनों में एक साथ शराब ढो कर जाने के पूर्व शराब गोदाम में रखी बड़ी मात्रा में शराब का वीडियो वायरल होने के बाद एक दिन के लिए जिले की 19 कंपोजिट शराब दुकान बंद होने के साथ जिले में माफियाओं का आतंक एक बार और सामने आया है। सबसे बड़ी बात पूरे घटनाक्रम के बाद अब तक भी न तो पुलिस व आबकारी के आला अधिकारी कुछ कहने व बोलने को तैयार है।

माही की गूंज को शराब व्यवसाय की जानकारी रखने वाले सूत्रों से मिली जानकारी में सामने आया कि, गुजरात के दाहोद जिले के एसपी डॉ. राजदीप झाला ने पदभार संभालते ही दाहोद जिले में बड़े से बड़े शराब माफियाओं के साथ गुंडा, मवाली आदि अपराधियों को उनकी जमीन दिखाकर पूर्ण रूप से माफियाई एवं अपराधियों से मुक्त करने का प्रयास किया। वही अपने सत्यकर्मनिष्ठा के साथ कार्य करने पर श्री झाला आज दाहोद जिले की जनता के सबसे चहते एसपी बन चुके हैं जिन्होंने जिले से माफिया व अपराधियों को खत्म किया। दाहोद जिले के एसपी डॉ. राजदीप झाला की सख्त कार्रवाई के चलते झाबुआ व बांसवाड़ा जिले की सीमावर्ती शराब दुकानों के साथ अलीराजपुर जिले की काकरबाड़ी (सेजवाड़ा) दुकान से दाहोद जिले के साथ ही बड़ौदा या उससे आगे तक जाने वाली शराब पर दाहोद एसपी के कारण नकेल कस दी गई जिसके चलते माफियाओ ने अपना रूट बदलकर बड़ौदा या उससे आगे तक जाने वाली शराब अलीराजपुर जिले के गुजरात से सटे छकतला की शराब दुकान से प्रतिदिन 24 घंटे में एक-दो नहीं, बल्कि 25-25, 30-30 महंगी से महंगी चार पहिया गाड़िया लाकर सीधे टीन छत से बने शराब गोदाम के अंदर चली जाती है और गोदाम का गेट बंद करने के साथ शराब माफिया के गुर्गे कुछ ही मिनट में इन गाड़ियों को भर-कर रवाना कर देते हैं। यह सिलसिला दिन और रात 24 घंटे चार पहिया वाहनों के जत्थे के रूप में शराब भरकर जाते हुए खुलेआम रहवासियों व प्रशासनिक नुमाईदो की आखो के सामने से जाते है। उक्त अवैध रूप से ढोई जा रही बड़ी मात्रा शराब जिसका आकलन भी नही किया जा सकता।

ठेकेदार के गुर्गो, स्थानीय अवैध शराब विक्रेता व गुजरात से आए शराब माफिया एवं गुर्गो के मध्य हुआ संग्राम

गूंज सूत्रों से मिली जानकारी में विवाद का असल कारण सामने आया कि, जिले के कांग्रेस या भाजपा दोनों विधायकों के चट्टे-बट्टे जिले में शराब ठेकेदार को भी पटकनी देने में पीछे नहीं है। नतीजन क्षेत्र में सत्ताधारी व विपक्ष के राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अवैध शराब विक्रय करने वाले गुर्गो की भी तानाशाही ऐसी है कि, खुलेआम बाहरी क्षेत्र से बड़ी मात्रा में शराब लाते हैं और क्षेत्र में सप्लाई करते है। छकतला थाना क्षेत्र की बात करें तो यहां के कुछ ऐसे शराब बेचने वाले एजेंट है वे अपने राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने के चलते शराब ठेकेदार से दिखावे के लिए नाममात्र की शराब लेते हैं और बाहर से आने वाली शराब को अधिक मात्रा में लेकर बेचा जाता है।

शराब की जानकारी रखने वाले सूत्र बताते हैं कि, शराब ठेकेदार ने कुछ समय से क्षेत्र में उक्त एजेंटो को शराब देना ही शराब दुकान से बंद कर दिया और अपने अधीन आबकारी और पुलिस को सचेत कर दिया कि, क्षेत्र में एजेंटो को शराब देना बंद कर दिया है और जो भी शराब बेचता है उनके विरुद्ध शराब पकड़ने की कार्रवाई करें। चूँकि ठेकेदार की नाममात्र की शराब लेकर उसकी आड़ में बाहरी शराब बड़ी मात्रा में बेचने वाले एजेंटो को यह रास नहीं आया। वहीं छकतला शराब दुकान से ठेकेदार द्वारा गुजरात के किसी खापड़ सरनेम वाला व्यक्ति जो राजनीतिक व आर्थिक रूप से बड़े पैमाने पर अपनी ताकत रखता है जिसके बारे में बताया जा रहा है कि, गुजरात में एक करोड़ से भी अधिक की बंदी देकर खुलेआम अपना शराब का कारोबार करता है। चूँकि दाहोद जिले से सटी बांसवाड़ा, झाबुआ व अलीराजपुर जिले की सेजावाड़ा की शराब दुकान से दाहोद जिले से होकर बाहरी जिले में भी शराब ढोकर एसपी डॉ. राजदीप झाला की सख्त कार्रवाई के चलते नहीं ले जा पा रहे थे। नतीजन गुजरात का शराब माफिया उर्फ सरगना यह खापड़ सरनेम वाला व्यक्ति छकतला से प्रतिदिन 200-250 चार पहिया वाहनों से बड़ौदा के आगे तक शराब ढो रहा था। तथा छकतला शराब दुकान से ठेकेदार द्वारा उन राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों को शराब नहीं देने वहीं दूसरी और गुजरात के लोगों को एक साथ 25-25, 30-30 वाहनों को एक लॉट मे हीं बड़ी मात्रा में अवैध रूप से शराब ढो रहा था कि, तीन-चार दिन पूर्व जिस समय चार पहिया वाहनों का एक जत्था छकतला शराब दुकान के गोदाम में भरने हेतु आया कि, ठेकेदार के गुर्गो के साथ गुजरात से शराब भरने आए उन व्यक्तियों से भी विवाद किया और वह विवाद इतना बढ़ गया कि एक-दूसरे की जान लेने तक आतुर हो गए थे।

उक्त विवाद में ऐसे व्यक्तियों के भी गुर्गो थे जो हत्या जैसे मामलों में जेल से जमानत पर है। उक्त माफियाओं के विवाद रूपी संग्राम को देख या सुन हर कोई क्षेत्र में भयभीत हो गए। वहीं उक्त विवाद के चलते जैसे-तैसे गुजरात से आए सभी व्यक्ति अपने वाहनों को छोड़ रफूचक्कर हो गए। वही ठेकेदार और गुजरातियों पर हमला करने वाले क्षेत्र के स्थानीय व्यक्ति राजनीतिक संरक्षण प्राप्त भी चले गए। तो शराब ठेकेदार ने प्रशासनिक कार्रवाई के डर से नहीं बल्कि राजनीतिक संरक्षण प्राप्त जो कि अवैध शराब के व्यवसाय में ठेकेदार को पटकनी देते हैं उनके डर से एक दिन तो जिले की सभी 19 दुकान बंद रखी। वहीं पिछले तीन-चार दिनों से समाचार लिखे जाने तक छकतला की शराब दुकान बंद ही रखी है। वही गोदाम में वह चार पहिया वाहन जो गुजरात से शराब भरने आए थे वह भी यथावत स्थिति में गोदाम के अंदर ही थे।

मामले में आबकारी व पुलिस के आला अधिकारी कुछ भी करने से बचते ही दिखाई दिए। गूंज ने आबकारी अधिकारी संजय कावरे से 9179354004 से बात करनी चाही तो उनका मोबाइल ही बंद बताया। वही छकतला टीआई मोहन डावर से चर्चा हुई तो बताया, मामले में हमारे पास किसी प्रकार की कोई शिकायत या सूचना नहीं है किसी प्रकार का कोई मामला भी थाने में दर्ज नहीं करवाया है, उक्त मामला आबकारी विभाग का है।

माफियाओं के आतंक का एक और यह मामला मोदी के मन में रहे भाजपा की मोहन सरकार में आया है, जो सुशासन की बात कर रहे हैं। वहीं मोहन सरकार के प्रशासनिक नुमाइंदे भी इतने बड़े माफियाओं के विवाद के बाद भी गांधी जी के तीन बंदर की तरह चुप है। ऐसे में आम जनता को सुशासन की कल्पना करना ही बेमानी साबित होते नजर आ रही है।

'तारीख-पर-तारीख' अदालत नहीं बनना चाहता सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

कार्यवाही स्थगित करने की मांग करने वाले वकीलों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के लिए न्यायाधीशों की एक समिति का गठन किया है। पैनल ने इस मुद्दे पर बार और अन्य हितधारकों से सुझाव भी मांगे हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन ने स्थगन पर्चियों के प्रचलन को बंद करने के बारे में शीर्ष अदालत द्वारा जारी परिपत्रों पर चिंता जताई थी, जिसके बाद यह मामला सामने आया है।

5 दिसंबर को जारी सर्कुलर 22 को फिर किया जारी

5 दिसंबर को जारी सर्कुलर में कहा गया था कि, आगामी शीतकालीन अवकाश के मद्देनजर अधिकतम संख्या में मामलों को सूचीबद्ध करने के अनुरोध को समायोजित करने के लिए, सभी हितधारकों को ध्यान देना चाहिए कि स्थगन पर्चियां/पत्र प्रसारित करने की प्रथा 15 दिसंबर 2023 तक तत्काल प्रभाव से बंद कर दी गई है। किसी भी वास्तविक कठिनाई के मामले में, संबंधित न्यायालय के समक्ष स्थगन का अनुरोध किया जा सकता है।'

विभिन्न बार निकायों द्वारा अपनी चिंता व्यक्त करने के बाद, शीर्ष अदालत ने 22 दिसंबर को एक परिपत्र जारी किया जिसमें कहा गया, स्थगन पर्चियों के प्रसार को जारी रखने के संबंध में एससीबीए और एससीएओआरए के अनुरोध के आलोक में, सक्षम प्राधिकारी ने बार के सुझावों को आमंत्रित करने के बाद एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के लिए माननीय न्यायाधीशों की एक समिति का गठन करने की कृपा की है।

अगले आदेश तक बंद की गई

इस बीच, इसमें कहा गया है, स्थगन पर्चियों के प्रसार की प्रथा अगले आदेश तक बंद कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने अपने सभी सदस्यों से स्थगन मांगने के वैध आधारों के संबंध में 2 जनवरी 2024 तक अपने सुझाव साझा करने का अनुरोध किया है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने पहले वकीलों से नए मामलों में स्थगन की मांग नहीं करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि सुप्रीम कोर्ट 'तारीख-पे-तारीख' अदालत बने क्योंकि इस तरह की मोहलत नागरिकों के विश्वास को कमजोर करती है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जप्त की अवैध शराब

माही की गूंज, थांदला।

वर्तमान में शासन द्वारा अवैध शराब, मादक पदार्थ आदि के संबंध में अधिक से अधिक प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक झाबुआ द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था। जिसके परिणामतः अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रेमलाल कुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), अनुभाग थांदला रविन्द्र राठी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थांदला निरीक्षक राजकुमार कुंसारिया के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम द्वारा सतत् अवैध कार्यवाही में संलिप्त व्यक्तियों की तलाश की जा रही थी। फलस्वरूप 27 दिसंबर को विश्वसनीय ज्ञापक द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि, ग्राम पाडाधामंजर में राकेश पिता दोला भूरिया निवासी बहादुरपाडा हाल मुकाम पाडाधामंजर द्वारा अस्थाई ढालिया में अवैध शराब बेचने हेतु एकत्रित कर रखी है। सूचना पर थाना प्रभारी थांदला द्वारा मय टीम के दबिश देते राकेश पिता दोला भूरिया के घर से अंग्रेजी शराब कुल 126.2 बल्क लीटर किमती 30 हजार 270 रूपए की जप्त की गई एवं आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

उक्त सराहनीय कार्य में पुलिस अधीक्षक झाबुआ अगम जैन के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रेमलाल कुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), अनुभाग थांदला रविन्द्र राठी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थांदला निरीक्षक राजकुमार कुंसारिया, उनि हिरालाल मालीवाड, कार्यवाहक सउनि रामदास अहिरवार, प्रधान आरक्षक 64 अशोक गिरवाल, आरक्षक 442 राहुल जमरा का सहयोग रहा।

गौ हत्यारे को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, काकनवानी।

पुलिस अधीक्षक आगम जैन द्वारा सभी थानों में गो हत्या के संबंध में सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिए गए थे जिस पर 20 दिसंबर को मूखबीर द्वारा पुलिस थाना काकनवानी में सूचना दी गई थी कि ग्राम इटावा के काकड़िया फलिया में कुछ लोग गौ हत्या कर मांस का बंटवारा कर रहे हैं मुखबिर की सूचना मिलने पर पुलिस बल ग्राम इटावा काकड़िया फलिया पहुंचे जहां पर कुछ लोग गाय का मांस का बंटवारा कर रहे थे जो पुलिस की गाड़ी को देखकर भाग गए उसके पश्चात पुलिस ने मौके से गाय का मांस करीब 20 किलो और एक खाल , एक कुल्हाड़ी, एक दराता ,दो चुरें जप्त कर थाना काकनवानी लेकर आए और मौके से फरार 8 व्यक्ति के विरुद्ध अपराध क्रमांक 428 / 2023 धारा 4,6,9 मध्य प्रदेश गो वंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 का कायम कर विवेचना में लिया गया था , उक्त प्रकरण में घटना दिनांक से फरार आरोपीगण 01.पट्टू पिता गवाला वसुनिया उम्र 34 साल निवासी ग्राम इटावा काकड़िया फलिया 02,मादु पिता बसु वसुनिया उम्र 24 साल निवासी ग्राम इटावा काकड़िया फलिया,03.गेंदाल पिता दलजी वसुनिया उम्र 55 साल निवासी ग्राम इटावा काकड़िया फलिय,04.खीमा पिता गवला वसुनिया उम्र 36 साल निवासी ग्राम इटावा काकड़िया पाल्या,05.सेमान न पिता गवाला वसुनिया उम्र 34 साल निवासी ग्राम इटावा काकड़िया पुलिया,06.रसिया पिता गुमान वसुनिया उम्र 47 साल निवासी ग्राम इटावा काकड़िया पाल्या,07.दलाल पिता कलजी बेरिया उम्र 52 साल निवासी ग्राम इटावा काकड़िया फलिया,08.जहू पिता दलजी वसुनिया उम्र 48 साल निवासी ग्राम इटावा काकड़िया पलिया को कल दिनांक 26.12.2023 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। हथियारों को गिरफ्तार करने में एसडीओपी राठी थाना प्रभारी महोदय तारा मंडलोई , सब इंस्पेक्टर शिवकुमार कुशवाहा , हेड कांस्टेबल अरविंद बारिया , आरक्षक 208 राहुल देव बर्मन एवम् ड्राइवर सोभू डावर की मुख्य भूमिका रही।

सांसद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

सांसद गुमानसिंह डामोर की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। मोर्थ के मापदण्ड अनुसार 06 नवीन ब्लैक स्पॉट जिसमे खेड़ा फाटा(थाना कल्याणपुरा), कालीदेवी थाना से छापरी फाटा के बीच(थाना कल्याणपुरा), रम्भापुर (थाना मेघनगर), दशहरा मैदान के पास (थाना थांदला), ग्राम बोरवा, गट्टू घाटी, कुशलगढ मार्ग (थाना थांदला) एवं कल्याणपुरा-पेटलावद रोड़ ग्राम मुण्डत उमरा फलिया (थाना कल्याणपुरा) पर वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सुधारात्मक उपाय किए गये है। ऐसे स्थानों पर स्पीड ब्रेकर, सांकेतक, ब्लिंकर्स आदि अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिये। साथ ही बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चालाने, मोबाईल पर बात करते हुए वाहन चलाने पर चालानी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये।

जिले में बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने शराब पीकर वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग करने एवं पीक ऑवर्स में यातायात नियमो का पालन न करने वालों के विरुद्ध वर्ष 2023 में कुल 10315 चालानी कार्यवाही की गई।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 20 नवम्बर 2023 से निरंतर ÷विशेष जागरूकता अभियान÷ संचालित कर दो पहिया वाहन चालको द्वारा हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चालको द्वारा सीटबेल्ट धारण ना करने वालो के विरुद्ध चालानी कार्यवाही तथा जागरूकता अभियान के तहत् रैलिया, पेम्पेलेट्स वितरण, यातायात रथ के माध्यम से जन जागरूकता संदेश दिए जा रहे है। जिससे जिले में होने वाली वाहन दुर्घटनाओं तथा उसमे होने वाली मृत्यु में पिछले वर्ष की तुलना में कमी आयी है हेलमेट धारण नहीं करने वालो के विरुद्ध 20 नवम्बर से 25 दिसम्बर तक कुल 1781 चालानी कार्यवाही कर 534300 समन शुल्क एवं सीटबेल्ट का प्रयोग नहीं करने पर 489 चालानी कार्यवाही कर 244500 समन शुल्क का भुगतान किया गया है। वर्ष 2023 में कुल 284 वाहन दुर्घटना में 379 लोग घायल एवं 55 लोंगो की मृत्यु हुई है।

सांसद द्वारा कहा गया कि, यातायात जागरूकता को लेकर स्कूल कॉलेज में यातायात जागरूकता कैंप आयोजित करें।

तीन मंत्री बनने पर मनाई खुशी

माही की गूंज, थांदला।

सुशासन दिवस और झाबुआ,रतलाम,अलिराजपुर लोकसभा के तीनो जिले से मध्यप्रदेश शासन में केबिनेट मंत्री बनाए जाने पर भाजपाइयों में खुशी की लहर छाई है । भाजपा मंडल के पदाधिकारियो एवं नगर परिषद अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष, पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर नारेबाजी करते हुए खुशियां मनाई। 25 दिसंबर भारत रत्न,पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की जन्म जयंती के अवसर पर अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। साथ ही मध्य प्रदेश शासन में नवीन मंत्रिमंडल का गठन हुआ। जिसमें संसदीय क्षेत्र रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर के तीनों जिलों से नागरसिंह चौहान,सुश्री निर्मला भूरिया और रतलाम विधायक चैतन्य को मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री का स्थान प्राप्त हुआ । इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सुनील पणदा, उपाध्यक्ष पंकज जागीरदार, मंडल अध्यक्ष रोहित बैरागी, युवा मोर्चा जिला महामंत्री राजेश वसुनिया,मंडल महामंत्री सुनील पणदा,अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यकारी सदस्य एवं पार्षद राजू धानक पिछड़ा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष गोपाल बैरागी, पार्षद जितेंद्र राठौर ,जिला शिकायत बोर्ड की अध्यक्ष एवं पार्षद माया सचिन सोलंकी , धापू वसुनिया, जियोस सदस्य भूमिका आशीष सोनी ,पूर्व नगरपरिषद बंटी डामोर,सहकार भारती जिला महामंत्री दिलीप डामोर,महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आरती सिसोदिया ,महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पिंकी पाठक, पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मुकेश चौहान,महामंत्री दीपक राठौड़ ,युवा मोर्चा मंडल महामंत्री हेमेंद्र प्रजापत, आनंद राठौर,धर्मेंद्र भगोरा, भय्यु डागर,शंकर बूजवासी एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रैन बसेरा का किया जा रहा संचालन

माही की गूंज, झाबुआ।

दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के घटक शहरी बेघरों के लिए आश्रय अंतर्गत नगर पालिका परिषद झाबुआ द्वारा आश्रय स्थल (रैन बसेरा) का संचालन कलेक्टर जिला झाबुआ के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

वार्ड क्र. 07 बस स्टेण्ड के पीछे, नगर पालिका कार्यालय परिसर झाबुआ (म.प्र.) आश्रय स्थल में बेघरों हेतु निःशुल्क ठहरने की व्यवस्था की गई है, जिसमें 25 बेड हैं, 15 बेड पुरूष एवं 10 बेड महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए है।

आश्रय स्थल (रैन बसेरा) में ठंड से बचाव के लिए अलाव, ओढ़ने हेतु रजाई एवं कंबल की व्यवस्था उपलब्ध है। आश्रय स्थल में ठहरने वाले हितग्राहियों का समय-समय पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा।

इस कार्य हेतु प्रभारी डॉ. एम. मालवीया (9926188678) रहेंगे एवं थाना प्रभारी झाबुआ (9424520292) रहेंगे। अधिक जानकारी के लिए केयर टेकर राहुल राणा (9340020842) एवं कमल बामनिया (9294880276) से संपर्क करे।

लोकसभा निर्वाचन के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन हेतु मास्टर ट्रेनर नियुक्त

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जिला झाबुआ के आदेशानुसार लोकसभा निर्वाचन-2024 के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन विधिवत संपन्न कराए जाने हेतु राज्य स्तर पर प्रशिक्षित जिले के कार्मिकों को राज्य/जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं विधानसभावार मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया गया है।

राष्ट्र भगवद गीता, कुरान, बाइबिल के अनुसार नहीं चल रहा है- प्रियांक खड़गे

हुबली, एजेंसी। कर्नाटक के आरडीपीआर, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने बुधवार को कहा कि, देश को भगवद गीता, कुरान और बाइबिल के अनुसार नहीं चलाया जा रहा है और इससे विवाद पैदा हो गया है। हुबली में बोलते हुए, खड़गे ने जोर देकर कहा कि, देश संविधान के अनुसार चल रहा है। किसी भी राय के बावजूद, कर्नाटक में सरकार संविधान के अनुसार काम करती है। सरकारें संविधान के आधार पर काम करती हैं।

कर्नाटक में सरकार बसवा और अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलती है। पिछली सरकार हिंदुत्व के सिद्धांत पर चल रही थी। मंत्री खड़गे ने कहा कि अध्यक्ष की सीट पर बैठे विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी ने तब कहा था कि वह आरएसएस पृष्ठभूमि से आते हैं। उन्होंने मांग की और कहा कि, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र को भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देना चाहिए।

असंतुष्ट विधायक यतनाल ने कहा कि, वह कर्नाटक में बीएस के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में 40 हजार करोड़ रुपए की कथित अनियमितताओं का पर्दाफाश करेंगे। येदियुरप्पा को कोविड-19 महामारी के चरम के दौरान पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

फिलहाल विकास को भूल जाए आम आदमी....

देश में आम आदमी के पास दो ही अधिकार है। पहला कि अपना अमूल्य वोट सस्ते में दे और दूसरा बीती ताहि बिसार दे, क्योंकि यदि वोट नहीं देगा तो भी मारा जाएगा और यदि बीती को बिसारेगा नहीं तो भी चैन से नहीं जी पायेगा। हाल के पांच राज्यों के चुनावों के बाद केवल पांच राज्यों का आम आदमी ही नहीं बल्कि पूरे देश का आम आदमी विकास की बात भूल जाये तो बेहतर है, क्योंकि पूरा देश आम चुनावों की तैयारियों में भिड़ गया है। अब आम आदमी फर्स्ट नहीं, बल्कि चुनाव फर्स्ट हो गया है।

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा तो वैसे भी पूरे 365 चुनावी मोड़ में रहती है। विकास तो जब-तब उसकी प्राथमिकता में जगह बना पाता है। भाजपा का नारा ही सबका साथ, सबका विकास है इसलिए उसे दूसरे दलों से कहीं ज्यादा मेहनत करना पड़ती है। भाजपा के सामने किसी भी चुनाव में नेता का संकट नहीं है। पिछले एक दशक से स्थानीय निकाय के चुनाव से लेकर संसद तक का चुनाव एकमेव नेता के नाम पर लड़ा, जीता और हारा जाता है। भाजपा की तारीफ़ करना पड़ेगी की उसने जीत का सेहरा तो अपने नेता के सर पर बाँधा किन्तु हार का ठीकरा कभी नेता के सिर पर नहीं फोड़ा। किसी दूसरे राजनीतिक दल में अपने नेता के प्रति ऐसी घनघोर आस्था मैंने हाल के दिनों में नहीं देखी।

भाजपा मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के चुनावों से फारिग होने के तुरंत बाद आम चुनावों की तैयारियों में जुट गयी, जबकि विपक्ष अभी तक सीटों के बंटवारे की समस्या से ही जूझ रहा है जबकि उसे भाजपा से जूझना चाहिए था। भाजपा के नेता एक तरफ ईसाइयों और सिखों को मनाने के अभियान में जुटे हैं तो दूसरी तरफ कुछ नेता ओडिशा, बंगाल और तमिलनाडु की तरफ अभियान पर निकल गए हैं। भाजपा के नेताओं के पांव में चक्कर और मुंह में घी-शक्कर शुरू से है। यही भाजपा की सतत कामयाबी का राज भी है। भाजपा इन तीनों राज्यों से कम से कम 31 लोकसभा सीटें हासिल करना चाहती है।

भाजपा अपने आप में ईवीएम है। भाजपा का हर कार्यकर्ता और नेता इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन कीही भांति वोट निगलने और उगलने के अभ्यास में लगा रहता है। उसे भारत के बिखरने या जोड़ने की ज्यादा फ़िक्र नहीं है। भारत को जोड़ने का जिम्मा भाजपा ने कांग्रेस को दे दिया है। भारत जोड़ने की कोशिश कांग्रेस करती है और भारत जुड़ जाता है भाजपा के साथ। यानि कांग्रेस का हर कदम उलटा पड़ रहा है। कांग्रेस को कोई टोटका करना चाहिए इस उलटबांसी के लिए। विपक्ष को शायद नहीं मालूम की भारत जोड़ने के लिए पहले विपक्ष को फेविकॉल के मजबूत जोड़ की तरह आपस में जुड़ना पडेगा।

आपको ध्यान में रखना चाहिए कि भाजपा अपने लक्ष्यों के प्रति बहुत स्पष्ट है। भाजपा नेहरू जी से इत्तफाक नहीं रखती तो नहीं रखती। इसके लिए उसे कोई पश्चाताप भी नहीं है। भाजपा ने पहले नेहरू से मुकाबला किया, नहीं कर पायी। फिर इंदिरा गांधी से मुकाबला किया, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। लगातार नाकामियों के बावजूद भाजपा ने नेहरू-गांधी से लड़ना नहीं छोड़ा। अब भाजपा राजीव गाँधी से लड़ने के लिए आगामी लोकसभा में 400 के पार जाना चाहती है। कांग्रेस में राहुल गांधी के पिताश्री राजीव गांधी ये लक्ष्य हासिल कर पाए थे। उन्हें ये हासिल एक बलिदान के बाद हुआ था, किन्तु भाजपा बिना किसी बलिदान के ये लक्ष्य हासिल करना चाहती है।

भाजपा अपने अनुभवों से सीखती है। भाजपा हाईकमान ने देख और अनुभव कर लिया है कि ध्वनिमत से संसद चलने में कामयाबी मिलने के बावजूद नागपुर के एजेंडे पर द्रुत गति से और निर्णायक काम नहीं हो पा रहा है। इसके लिए कम से कम 400 सीटें हासिल करना ही होंगी। भाजपा के सामने लक्ष्य बड़ा है तो तैयारी भी बड़ी है, जबकि कांग्रेस का ऐसा कोई बड़ा लक्ष्य नहीं है। कांग्रेस का लक्ष्य जैसे भी हो भाजपा को सत्ता से हटाने का है। भाजपा अकेले कांग्रेस से हट नहीं रही, इसलिए कांग्रेस विपक्ष के अनेक दलों के सहयोग की जरूरत पड़ रही है। गठबंधन कांग्रेस के लिए जरूरी भी है और मजबूरी भी, जबकि भाजपा के लिए गठबंधन न जरूरी है और न मजबूरी भी। फिर भी भाजपा की दरियादिली देखिये कि भाजपा ने भी कुछ दलों के साथ गठबंधन किया है। एक लिहाज से कहें तो भाजपा के सबका साथ, सबका विकास के नारे पर अमल कांग्रेस कर रही है।

राकेश अचल

भाजपा और उसकी मातृसंस्था आरएसएस को अब तक अफवाहें फैलाने वाला और ध्रुवीकरण करने वाला माना जाता है किन्तु मेरी अपनी मान्यता है कि भाजपा अब चुनाव प्रबंधन में महारत हासिल कर चुका राजनीतिक दल है। देश के ही नहीं विदेश के भी राजनीतिक दलों से चुनाव लड़ने का व्यावहारिक प्रशिक्षण लेना चाहिए। ज्ञान और प्रशिक्षण जहाँ से भी मिले, ले लेना चाहि। याद कीजिये की राम ने भी ज्ञान प्राप्ति के लिए महा पंडित रावण के पास भेजने में कोई संकोच नहीं किया था। राजनीति में संकोच और नैतकता के लिए अब कोई जगह नहीं है, होना भी नहीं चाहिए।

भाजपा को पता है कि एक बार चुनाव जीत लिया तो विकास करने के लिए तो पूरे पांच साल पड़े ही हैं। चुनाव जीतने कि लिए भाजपा ने जरूरी धनसंग्रह भी कर रखा है। कांग्रेस कि पास ऐसी कोई तैयारी नहीं है। हालाँकि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन कह रहा है कि उसी अपनी तैयारी है। होना भी चाहिए। इंडिया गठबंधन नागपुर संचालित सत्ता को चुनौती देने कि लिए नागपुर से ही अपने साझा अभियान का श्रीगणेश करने जा रहा है। ये अच्छी बात है। प्रतिद्वंदी को उसके पाले में ही जाकर चुनौती देना चाहिए। भाजपा की चुनावी तैयारियों को देखकर कम से कम मै तो अभिभूत हूँ। आपका मुझे पता नहीं।

स्थानीय समूह को नहीं मिला उचित मूल्य की दुकान का संचालन

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

पैसा एक्ट लागू कर सरकार द्वारा बड़े-बड़े दावे किए गए कि, अब ग्राम पंचायते अपने निर्णय स्वयं ले सकेगी। लेकिन जब धरातल पर इसकी परख करने की बारी आती है तो पैसा एक्ट के बाद भी ग्रामीण खुद को ठगा महसूस करता है। मामला पेटलावद विकास खण्ड का है जहां लगभग सात पंचायतों में अनाज वितरण की दुकानों को अलग कर नए सिरे से दुकाने आबंटित करने की विज्ञप्ति जारी नियमानुसार पोर्टल पर की गई । पोर्टल पर आवेदन के लिए जब स्थानीय समूह ने जब आवेदन के लिए पोर्टल पर प्रयास किया तो आवेदन नही हो पाया और विधानसभा झाबुआ के पिटोल क्षेत्र के डॉक्टर भीमराम अम्बेटकर समहु के नाम से टेंडर हुआ । बताया जा रहा कि सातों नई दुकानें इसी समूह के टेंडर हुवे। इसके पूर्व भी पेटलावद विधानसभा में इस समहू व अन्य विकास खंडों में भी इस समूह द्वारा कई और पंचायतों में इस समूह की दुकान संचालित की जा रही है ।

ग्राम पंचायत को जानकारी नही

उक्त विज्ञप्ति को लेकर ग्राम पंचायत को जानकारी तक नही न इसकी विज्ञप्ति को ग्राम पंचायत में चस्पा तक नही की गई । कहने को जिले में पैसा एक्ट लगा हुवा है क्षेत्र के स्थानीय लोगो को रोजगार के अवसर दिए जाने और ग्राम पंचायत क्षेत्र में होने वाले कार्यो का निर्णय भी ग्राम पंचायत की पैसा एक्ट समिति ओर उसके ठहराव-प्रस्ताव का होना भी आवश्यक है लेकिन इस मामले में ग्राम पंचायत या पैसा एक्ट समिति से किसी प्रकार की अनुमति की जानकारी सामने नही आई है । पूरे मामले को देखते हुवे पैसा एक्ट सवाल खड़े हो रहे हैं ।

समूह संचालक ने दिया एसडीएम को दिया आवेदन

इस सम्बंध में ग्राम करमदीखेड़ा ग्रास पंचायत बोडयता के माँ पार्वती स्व सहायता समूह संचालक द्वारा एसडीएम राजस्व को इस सम्बंध आवेदन पेश किया है जिंसमे स्थानीय समूह को दुकान संचालन का कार्य देने की मांग की है । समूह संचालक में आवेदन में बताया कि पोर्टल पर आवेदन करने का प्रयास किया लेकिन एक आवेदन के किसी का भी आवेदन जमा नही हुवा । समूह संचालक ने बताया कि एसडीएम द्वारा आवेदन खाद्य विभाग की भेजा गया जहां से बताया गया कि ये ऑन लाइन प्रक्रिया से हुवा है इसमें कुछ भी नही किया जा सकता।

मामले की जांच जरूरी, हो सकता बड़ा खुलासा

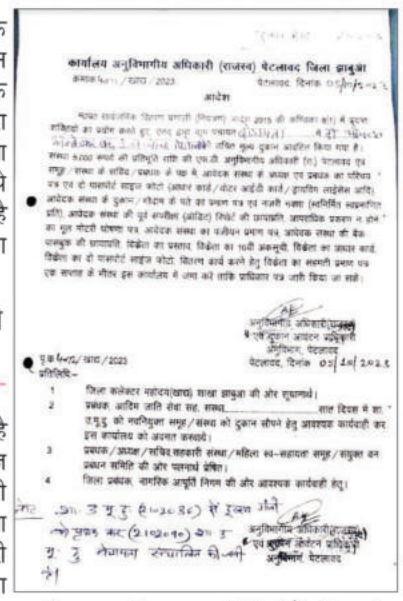

पूरे मामले को देख साफ है की जिले में चल रही अनाज वितरण की दुकानों में भारी धांधली हो रही है । एक ओर पैसा एक्ट की बात की जा रही है दूसरी ओर जिस ग्राम पंचायत का मामला उससे किसी प्रकार की जानकारी या प्रस्ताव-ठहराव तक नही लिया गया। सरकारे स्थानीय समूह को काम देने का दावा भी कर रही है जो केवल मध्यान भोजन तक सीमित किये जा रहे हैं । यहां एक आवेदन के बाद दूसरे आवेदन के लिए पोर्टल पर आवेदन नही होना भी कही न कही सवाल खड़े हो रहे हैं । जिस संस्था या समूह को इन पंचायतों के उचित मूल्य दुकान आबंटित हुई है उसके पास पूर्व से कितनी दुकान का संचालन है । यदि इस मामले की जांच की जाती है तो बड़ा अनाज घोटाला सामने आ सकता है । जिले में अनाज घोटाले के पहले भी कई प्रकरण सामने आ चुके हैं । इस संबंध में ग्राम पंचायत सरपंच दिनेश गणावा ने बताया इस सम्बंध में हमको कोई जानकारी नही है हमारे फूड अधिकारी को आपत्ति भी दर्ज करवाई गई थी लेकिन हमको कलेक्टर का आदेश बता कर रवाना कर दिया। हमारे द्वारा किसी नई दुकान कि मांग तक नही की गई।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेटलावद जिला झाबुआ

आदेश

विधायक सूश्री निर्मला भूरिया को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर विधानसभा क्षेत्र में खुशी का माहौल

क्षेत्र से भाजपा के कार्यकर्ताओ ने भोपाल पहुंचकर निर्मला भूरिया को दी बधाई

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

पेटलावद से विधायक निर्मला भूरिया को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर पेटलावद विधानसभा क्षेत्र में चारों ओर खुशी की लहर है। सोमवार को हुए मंत्रिमंडल के विस्तार में उन्हें पहली बार कैबिनेट मंत्री बनाया गया। उन्हें मंत्रिमंडल में स्थान देकर भाजपा ने कदावर आदिवासी नेता और पैसा एक्ट कानून के जनक स्वर्गीय दिलीप सिंह जी भूरिया को श्रद्धांजलि भी देने का काम किया। कार्यकर्ताओं ने आतिश बाजी कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया।

सारंगी भाजपा मंडल के नेतृत्व में मंत्रिमंडल के शपथ कार्यक्रम मे भोपाल पहुंचकर निर्मला भूरिया को बधाई दी। सारंगी भाजपा मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी , सरपंच फुंनदी बाई मेडा, भाजपा जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष जितेंद्र गहलोत , पूर्व उपसरपंच परमानंद पाटीदार, लालसिंह डामर, राजेश पाटीदार, भैरू भाई, बैगनबड़ी सरपंच पप्पू भाई के साथ सरपंच दिनेश बोडायता, भूरालाल सरपंच बरवेट, दिनेश मुनिया , जितेंद्र कटरा डाबरी आदि भाजपा कार्यकर्ताओं ने भोपाल उनके निवास पर पहुकर निर्मला भूरिया को मंत्री बनने पर बधाई दी।

गांव का नाम किया रोशन

माही की गूंज, करवड़। अरुण पाटीदार

पेटलावद विकासखंड के अंतर्गत ग्राम करवड़ के जयेश पिता संतोष पाटीदार का मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में लेखा सेवा अधिकारी पद पर चयन हुआ है। जयेश की प्रारंभिक शिक्षा आदर्श विद्या मंदिर करवड़ एवं हाई स्कूल की शिक्षा सफलता विद्या मंदिर पेटलावद से हुई। साथ ही स्नातक की शिक्षा होलकर महाविद्यालय इंदौर से की। जयेश का 2019 एमपीपीएससी में प्रथम प्रयास में अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी पद पर चयन हुआ है। जयेश ने गरीब परिवार में रहकर अपनी पढ़ाई पुरी की अब उनका चयन होने पर समाजजन, परिवारजन एवं मित्रों ने जयेश को शुभकामनाएं देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की।

हर्षोल्लास के साथ क्रिसमस पर्व मनाया

माही की गूंज, थांदला।

कैथोलिक डायसिस झाबुआ के थांदला चर्च में क्रिसमस पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मिस्सा पूजा के पूर्व रविवार रात्रि साढे 9 बजे से साढे10 बजे तक कैरोल गीतों का प्रोग्राम रखा गया। जिसमे राजू कटारा एवं राजेंद्र बरिया के संगीत दलों ने प्रभु यीशु के जन्म के गीतों से सराबोर किया। समाजजनों ने भी हर्षोल्लास के साथ भाग लिया।

मिस्सा पूजा के मुख्य याजक फादर बासिल डामोर ने क्रिसमस पर्व पर समाजजनों को शुभकामनाएं देते हुए अपने प्रवचन में कहा कि, प्रभु यीशु जन्म के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि, प्रभु यीशु को इस दुनिया में मनुष्य मात्र की मुक्ति के लिए जन्म लिया। उन्होंने ईश्वरीय प्रेम द्वारा लोगों को एक दूसरे के साथ जीना सिखाया। सबसे पहले प्रभु यीशु के जन्म का संदेश उन गरीब ग्वालों को मिला जो रात्रि में जग कर बारी - बारी से अपनी भेड़ों की रखवाली कर रहे थे। तब उन्होंने जाकर गौशाला में प्रभु यीशु के दर्शन किए। वे सच्चे मनुष्य एवं सच्चे ईश्वर थे। उन्होंने मनुष्यों के बीच रहकर प्रेम शांति एवं भाई चारे की शिक्षा दी।उन्होंने अपने शत्रुओं को भी प्रेम किया और यही संदेश अपने शिष्यों को भी दिया। आज संसार भर में उन्ही के आदर्शो पर चलते हुए ख्रीस्तीय भाई बहन अपना जीवन जीने का प्रयास करते हैं। पल्ली पुरोहित फादर पीटर कटारा ने भी क्रिसमस की शुभकामनाएं दी। मिस्सा पूजा में फादर बासिल डामोर के साथ फादर पीटर कटारा, फादर सोनू वसुनिया, फादर एडविन, फादर प्रेम मुनिया ने भाग लिया । समारोह के दौरान पल्ली परिषद के सदस्यों माता मरियम समिति के सदस्यों युवा समिति के सदस्यों तथा कर्मचारियों के साथ प्रभुदासी सिस्टर्स एवं संत मैरिज कॉन्वेंट की सिस्टर्स ने सहयोग दिया। अंत में पल्ली पुरोहित फादर पीटर कटारा ने संगीत दल के राजू कटारा राजेंद्र बरिया तथा दल के सदस्यों को युवा के अध्यक्ष प्रियांश और उनके दल को कर्मचारी के सदस्यों का आभार माना।

अक्षत कलश का नगरवासियों ने किया स्वागत

माही की गूंज, थांदला।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मे शामिल होने के निमंत्रण के लिये निकली अक्षत कलश यात्रा ने रविवार शाम को नगर प्रवेश किया। पेटलावद रोड स्थित शनि मंदिर पर नगर के लोगो ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। उसके पश्चात यात्रा ने नगर भ्रमण करते हुए अक्षत कलश को श्री बडे रामजी मंदिर मे रखा गया। जहा से 1 जनवरी से 15 जनवरी तक नगर के प्रत्येक घर, गली, मोहल्ले मे पत्रक व भगवान राम के चित्र के साथ अक्षत वितरित कर अयोध्या मे बनने जा रहे भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शामिल होने का निमंत्रण दिया जावेगा। इसके पश्चात 16 जनवरी से 22 जनवरी तक नगर मे धार्मिक आयोजन किये जावेगे। कलश यात्रा मे स्वागत हेतु बडी संख्या मे महिलाए भी उपस्थित हुई जिन्होने सुमधुर भजनो की धुन पर गरबा रास कर मंदिर निर्माण पर खुशीया जाहिर की। यात्रा मे पूर्व विधायक कलसिंह भाबर, नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी पणदा, उपाध्यक्ष पंकज राठौड, पार्षद जगदीश प्रजापत, धापू वसुनिया, ज्योति राठौर, भूमिका सोनी, माया सोंलकी, सहित यात्रा प्रभारी जगमोहनसिंह राठौर, महेश गडवाल सुनील पणदा, लक्ष्मण राठौड, संजय भाबर, रोहित बैरागी, आनंद चौहान, भूषण भटट, नीरज सोनी सहित काफी संख्या मे आमजन उपस्थित थे।

इंदौर से राजकोट जा रही बस पलटी

माही की गूंज, थांदला।

पेटलावद मार्ग पर स्थित भैरव घाट के समीप मोंड पर डबल डेकर यात्री बस हादसे का शिकार हुई। शनिवार रात में तकरीबन 3 बजे एस एन ट्रेवल्स की बस क्रमांक एनएल 01 डी 2092 जो की इंदौर से राजकोट की ओर जा रही थी जो पलट गई। जिसमे एक युवती टीना उम्र 23 वर्ष निवासी बदवास जिला आगर की मौत हो गई। तो वही दर्जनो यात्री घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही थांदला से पुलिस बल एवं 108 घटनास्थल पर पहुंची। वह घायलों को सिविल हॉस्पिटल थांदला लाया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार ड्राइवर व कंडक्टर फरार हो गए है थांदला थाने में मामला दर्ज किया गया। बस मे सवार यात्रियो ने बताया कि, डायवर बस को उज्जैन से ही अनियत्रित तरीके से चला रहा था यात्री समझे मार्ग खराब होने की वजह से बस इस तरीके से चल रही है। रात्रि मे जब सभी लोग सो रहे थे तभी डायवर ने बस को पलटी खिला दी। यात्रियो ने बताया कि, बस मे करीब 50 यात्री सवार थे जो कि मजदूरी करने या अन्य कार्य से गुजरात की ओर जा रहे थे। गौरतलब है की देर रात्रि में चलने वाली यात्री बसें एवं खाली मार्ग देखकर अंधगति से घाट क्षेत्र एवं अंचल से गुजरती है, इसी वजह से भैरव घाट व अन्य अंधे मोड़ों पर दुर्घटनाओं का शिकार होती है। नगर की सामाजिक संस्था ब्लड डोनेशन टीम के सदस्यो ने घायलो की मदद करते हुए उनके नाश्ते व खाने का इंतजाम किया।

व्हालीबाल क्लब ने आयोजित किया मिलन समारोह

माही की गूंज, थांदला।

अचंल के सबसे पूराने आदर्श व्हालीबाल क्लब के 50 वर्ष पूर्ण होने पर मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमे क्लब के वरिष्ठ सदस्यो का सम्मान भी किया गया। मिलन समारोह मे क्लब के सदस्यो ने अपने खिलाडीयो को जीवन व खेल से जुडे संस्मरण सुनाये। वरिष्ठजनो मे भी अपने समय के खेल संबधी खटठे-मीठे किस्सो को नई पीढी के साथ साझा किया। वरिष्ठ खिलाडियो ने काफी समय बाद सभी को एकत्रित करने तथा सम्मान किये जाने पर भावविभोर होकर नई पीढी को साधुवाद दिया। वही उनके खेल जीवन की उत्तरोतर उन्नति की शुभकामनाए भी दी। आदर्श क्लब के वर्तमान खिलाडी भी अपने वरिष्ठ खिलाडियो को अपने बीच पाकर काफी अभिभूत हुए तथा वरिष्ठो के मार्गदर्शन मे क्लब को नई उचाइयो पर ले जाना का भरोसा दिलाया। सभी ने मिलकर नगर मे उच्च स्तर की व्हालीबाल प्रतियोगिता करवाने पर भी सहमति दी। उल्लेखनीय है कि, अपने 50 वर्ष खेल इतिहास मे क्लब ने कई राज्य स्तरीय व्हालीबाल प्रतियोगिताओ का आयोजन भी किया तथा समीपस्थ राज्यो सहित कई स्थानो की प्रतियोगिता मे सहभागिता कर विजेता, उपविजेता के पुरस्कार भी जीते है। वर्तमान मे क्लब मे 20 वर्ष से लेकर 85 वर्ष तक के करीब 40 खिलाडी जुडे हुए है। इस अवसर पर क्लब के दिवंगत सस्दयो को श्रृद्धांजलि के साथ ही वरिष्ठ सदस्य बंटेश सेन, नगीन, रमेश उपाध्याय, गणपतिदास बैरागी, भेरूलाल टैलर, सत्तार छिपा का सम्मान किया गया। समारोह मे सदस्य जितेन्द्र घोडावत, गौतम बादशाह, डॉ ओम बजाज, लक्ष्मण राठौड, ओम शर्मा, सुशील शर्मा, जगत शर्मा, कृष्णकांत सोलंकी, अयुब छिपा, संजय व्होरा, विजय जोशी दिलीप राठौड उपस्थित थे। संचालन कुलदीप झाला व आभार किशोर आचार्य ने व्यक्त किया।

गायत्री परिवार द्वारा कन्या कौशल शिविर का आयोजन

माही की गूंज, थांदला।

गायत्री परिवार द्वारा नगर मे एक दिवसीय कन्या कौशल शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे करीब 3 हजार बालिकाओ ने सहभागिता की। शिविर के पूर्व गायत्री परिवार के निर्देशन मे पूरानी मण्डी से रैली निकाली गई। जो नगर के प्रमुख मार्गो से होती हूई शिविर स्थल नई मण्डी पहुची जहाँ पर गायत्री परिवार के श्रीकृष्ण शर्मा इंदौर, प्रज्ञा बेरागी धार, संगीता विश्नोले खरगौन ने अपने संबोधन मे बताया कि, कन्याओं को सुदृढ़ और सशब्द बनाने के लिए कन्या कौशल शिविर का आयोजन किया गया। इस कन्या कौशल शिविर में चार मुख्य बातें बताई गई। देर रात तक न जग कर जल्दी सो जाना और सुबह जल्दी उठना जल्दी उठने से आपके शरीर में जो ऊर्जा मिलेगी उसे आपकी कार्य करने की शक्ति जागृत होगी और आप कार्य बिना अलास कर पाएंगे। आप अपने माता-पिता के चरण छूकर ही स्कूल जाएंगे और उनकी हर एक बात मानेंगे, आपके जीवन में जो भी आप कार्य कर रहे हो अच्छे या बुरी बातें अपने माता-पिता से जरूर कहेंगे। सुबह रोज उठकर गायत्री मंत्र का जाप करेंगे 24 घंटे में आप 24 बार गायत्री मंत्र का सुबह उठकर जाप करें, जिससे आपकी सोच सकारात्मक बनी रहेगी। शिविर में कन्याओं को यह भी बताया गया कि, आप एक आने वाली सशक्त नारी बनेगीं। जिससे आपको जीवन में बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे। कार्यक्रम मे गायत्री परिवार के सदस्य अंतरसिंह रावत, लखन बैरागी, चन्द्रप्रकाश त्रिपाठी, मनीष पालीवाल, रवि श्रीवास्तव आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

54 दिव्यांग बच्चों को उपकरण वितरित किए

माही की गूंज, पेटलावद।

दिव्यांग बच्चों के सहायतार्थ ट्राईसाईकिल और अन्य उपकरण वितरण हेतु शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें 54 दिव्यांग बच्चों को लाभ मिला। विकासखंड पेटलावद अंतर्गत बुधवार को कार्यालय जनपद शिक्षा केंद्र पेटलावद अंर्तगत कक्षा पहली से आठवीं तक अध्यनरत दिव्यांग बच्चों को एल्मिको टीम उज्जैन द्वारा प्रदाय विभिन्न उपकरण वितरण करने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विकासखंड अंतर्गत अध्यनरत दिव्यांग बच्चों का पूर्व में डॉक्टरों द्वारा मूल्यांकन किया जाकर एल्मिको टीम से प्राप्त उपकरणों का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न दिव्यांगता वाले 54 दिव्यांग बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम बीईओ राकेश यादव की अध्यक्षता और बीआरसी श्रीमती रेखा गिरि के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

उक्त कार्यक्रम में समस्त बीएसी और सीएसी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मोहन सोलंकी और आभार सुभाष पाटीदार ने माना।

संपादकीय

पर्यटन संग पर्यावरण संरक्षण भी जरूरी

अच्छी बात है कि, वर्ष के समापन और नए वर्ष के स्वागत से जुड़े आयोजनों व पर्यटन के लिए हिमाचल की वादियों में सैलानियों का सैलाब उमड़ा है। यह सुखद है कि, मानसून की अतिवृष्टि से आहत हिमाचल में अरसे बाद पर्यटन की रंगत नजर आ रही है। होटल-गेस्ट हाउस फुल हैं। अटल टनल से लेकर सड़कों तक में कारों के काफिले ही काफिले नजर आ रहे हैं। निश्चित रूप से हिमाचल की आर्थिकी के लिए यह शुभ संकेत हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें पहले पर्यटन के अनुरूप ढांचा भी तैयार करना है। यह अच्छी बात नहीं है कि, शिमला व कुल्लू मनाली की तरफ जाने वाले हाईवे पर कारों के कई किलोमीटर लंबे जाम नजर आ रहे हैं। यह तार्किक है कि, जब देश के विभिन्न भागों से लोग नया साल का जश्न मनाने पहाड़ों की तरफ आ रहे हैं तो उनकी सुख-सुविधा का ख्याल रखना भी जरूरी है। जिन स्थानों पर अक्सर जाम लगता है, वहां ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए जो पर्यटकों के लिए राहतकारी हो। आसपास जरूरी चीजों की दुकानों, पानी और प्रसाधन आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। कहीं न कहीं वाहनों के पंजीकरण और सड़कों पर वाहनों के दबाव को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। ऑनलाइन पंजीकरण के जरिए वाहनों का आगमन नियंत्रित किया जा सकता है। पर्यटन के सीजन में शासन-प्रशासन को भी पर्यटकों की सुख-सुविधा का विशेष ख्याल रखना चाहिए। प्रयास हो कि, पर्यटकों से वस्तुओं के जायज दाम लिए जाएं। अक्सर देखा जाता है कि, पीक सीजन में होटल मालिक पर्यटकों से मनमाने किराए वसूलते हैं। सामान के दाम भी महंगे हो जाते हैं। प्रयास हो कि बाहर से आने वाला पर्यटक राज्य से अच्छा अनुभव लेकर जाए। इसके अलावा यह भी है कि राज्य का पर्यटन विभाग राज्य के नए पर्यटक स्थलों को प्रचारित-प्रसारित करे। जिससे परंपरागत पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों का दबाव कम हो सके। साथ ही पहले ही आबादी के बोझ से चरमरा रहे हिल स्टेशनों को कुछ राहत मिल सके।

लेकिन वहीं सरकार को हाल के मानसून में अतिवृष्टि से बाढ़ व भूस्खलन की त्रासदी को याद रखना चाहिए। हमें पर्यटन को तो बढ़ावा देना चाहिए लेकिन पहाड़ के पर्यावरण को भी बचाने का प्रयास करना चाहिए। हमें तात्कालिक आर्थिक हितों के बजाय पहाड़ों के दूरगामी भविष्य को ध्यान में रखना चाहिए। पहाड़ के साथ सहजता व सामंजस्य का व्यवहार अपरिहार्य है। दरअसल, हिमालय के पहाड़ अपेक्षाकृत नए हैं, जिन पर आधुनिक विकास व निर्माण का ज्यादा बोझ नहीं डाला जा सकता। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तमाम पर्यावरणवादी मानते रहे हैं कि, ये पहाड़ फोर-लेन के लिये नहीं बने हैं। सड़कों के विस्तार के लिए जहां पहाड़ों की जड़ों को खोदा गया, वहां इस बार भूस्खलन का ज्यादा प्रकोप देखा गया। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि, पहाड़ हमारी विलासिता के लिए नहीं बने हैं। ये अध्यात्म के स्थल भी हैं और आस्था के केंद्र भी हैं। पर्यटक पहाड़ों पर सिर्फ मौज-मस्ती के लिए न आयें। प्रकृति के सौंदर्य का भी संरक्षण जरूरी है। वह तभी संभव है जब हमारा व्यवहार पहाड़ की संस्कृति के अनुरूप होगा। इसके लिए जरूरी है कि, हम पर्यावरण व प्रकृति की गरिमा के अनुरूप व्यवहार करें। आज जब पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों से जूझ रहा है तो देश के पर्यावरण और मौसम को प्रभावित करने वाले पहाड़ों के परिवेश का संरक्षण बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में जोशीमठ के भूस्खलन के बाद यह बात सामने आई है कि, पहाड़ जनसंख्या के बोझ से चरमरा रहे हैं। हिमाचल के कई जिले इस दृष्टि से संवेदनशील पाए गए हैं। नीति-नियंताओं को विकास व पर्यटन की दृष्टि से पहाड़ों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। हमें न केवल वर्तमान को सुखदाई बनाना है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पहाड़ों का पर्यावरण संरक्षित भी करना है। पहाड़ सुकून के लिए हैं, हमारी भोग-विलासिता के लिए नहीं है। यह बात सरकारों को भी ध्यान में रखनी है और पर्यटकों का आचरण भी इसके ही अनुरूप होना चाहिए।

चुनौतियों के बीच आगे बढ़ी अर्थव्यवस्था

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन बीत रहे वर्ष 2023 में जहां वैश्विक स्तर पर निर्मित आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों से भारत के आर्थिक परिदृश्य पर कई मुश्किलें दिखाई दीं, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था घरेलू मांग, निवेश तथा मजबूत आर्थिक बुनियाद के दम पर दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित हुई है।

यदि 2023 की शुरुआत से दिसंबर तक देश का आर्थिक घटनाक्रम देखें तो प्रमुखतया महंगाई, रोजगार, रुपये की कीमत, विदेशी मुद्रा भंडार, विदेशी कर्ज, व्यापार घाटा, मानव विकास सूचकांक चिंताजनक आर्थिक मुद्दे रहे हैं। महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें लगभग वर्ष भर बनी रहीं। इस्राइल- हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध, ओपेक संगठन द्वारा तेल उत्पादन में कटौती, वैश्विक खाद्यान्न उत्पादन में कमी ने भी महंगाई बढ़ाई। इस महंगाई ने आम आदमी से लेकर सरकार के लिए भी चिंताएं पैदा की। खासतौर से नवंबर के बाद एक बार फिर थोक एवं खुदरा महंगाई बढ़ने लगी। खाद्य महंगाई की दर बढ़कर 8.7 फीसदी से अधिक पहुंच गई।

वर्ष 2023 में रोजगार की स्थिति संसद की बहस से लेकर युवाओं की चिंता का कारण बनी रही। इस वर्ष में वैश्विक सुस्ती के कारण जो-जो उद्योग-कारोबार प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए वहां रोजगार के कम मौके निर्मित हुए। लेकिन गिग अर्थव्यवस्था और असंगठित सेक्टर में मौके बढ़ने से बेरोजगारी दर जो 2017-18 में छह फीसदी थी वह 2022-23 में घटकर 3.2 फीसदी रही। जहां इस वर्ष में आईटी बाजार की रोजगार तस्वीर बदल गई और बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी छोड़नी पड़ी तथा नई नियुक्ति का अनुपात भी घट गया। वहीं विमानन और फार्मा जैसे सेक्टरों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ी है।

यद्यपि भारत ने चालू वर्ष 2023 में वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच निर्यात बढ़ाने व आयात घटाने के अधिकतम प्रयास किए। फिर भी इस साल निर्यात तेजी से नहीं बढ़ पाए तथा विदेशी मुद्रा की अन्य साधनों से कमाई भी कम रही, इससे व्यापार घाटा बढ़ा। अप्रैल से अक्तूबर 2023 के दौरान जहां भारत से 437.54 अरब डॉलर मूल्य का वस्तु निर्यात हुआ वहीं भारत में 495.17 अरब डॉलर मूल्य का आयात हुआ है।

बीत रहे वर्ष में रुपया वर्षभर लुढ़कता रहा। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति सख्त बनाए जाने से वर्षभर डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत घटती गई और दिसंबर में डॉलर के मुकाबले रुपया निचले स्तर पर लुढ़ककर 84 तक पहुंच गया। शुरुआती महीनों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट आई। इस गिरावट का कारण निर्यात में कमी, आयात में वृद्धि व डॉलर की तुलना में रुपये को थामने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा कोष में संचित डॉलर की बिक्री किया जाना भी रहा। फिर भी दिसंबर में विदेशी मुद्रा कोष कुछ बढ़कर करीब 616 अरब डॉलर से अधिक के स्तर पर पहुंच गया।

देश पर विदेशी कर्ज भी वर्ष 2023 में चिंता का कारण रहा। सरकार ने लोकसभा में बताया कि पिछले नौ वर्षों में देश पर विदेशी कर्ज की राशि तकरीबन तीन गुनी बढ़ी है। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले विदेशी कर्ज चुनौतीपूर्ण स्थिति में नहीं है। बीत रहे वर्ष में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक में 189 देशों की सूची में भारत 132वें पायदान पर पाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य व शिक्षा की बड़ी चुनौतियां भारत के समक्ष बनी हुई हैं। प्रतिव्यक्ति आय के मामले में भी भारत की स्थिति 129वें क्रम पर नजर आई।

निश्चित रूप से इन विभिन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच भी वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन कई मोर्चों पर बेहतर रहा और भारत की कई आर्थिक उपलब्धियां दुनिया में रेखांकित हुई। कारोबारी और वित्तीय परिदृश्य विस्तार को लेकर आशावादी रहा और विकास मूलक संकेत देता रहा। विनिर्माण, खनन, निर्माण तथा औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई है। खासतौर से मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, कंस्ट्रक्शन, सीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी, होटल, ट्रांसपोर्ट, ऑटो मोबाइल, फॉर्मा, केमिकल, फुड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, साइबर सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड आदि क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के मौके बढ़ते हुए दिखाई दिए। मुद्रास्फीति मौद्रिक प्रयासों से नियंत्रण में रही। कर राजस्व में सुधार हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए।

वर्ष 2023 में घरेलू अर्थव्यवस्था की तेज ग्रोथ से भारत ब्रिटेन को पीछे करते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। आईएमएफ सहित दुनिया की कई रेटिंग एजेंसियों ने वर्ष 2023 में भारत की 6.3 फीसदी से अधिक विकास दर के अनुमान प्रस्तुत किए हैं।

बीत रहे साल में जी-20 की अध्यक्षता करने से भारत के लिए नए आर्थिक लाभों की उम्मीद बनी है। इस आयोजन के बाद अब भारत से निर्यात, भारत में विदेशी निवेश व पर्यटन और डिजिटल विकास का नया क्षितिज सामने आएगा। जी-20 से ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के मद्देनजर भारत की अहमियत बढ़ी है। जहां अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल कराकर भारत ने इन देशों से नए आर्थिक लाभों की उम्मीदों को बढ़ाया, वहीं इसमें घोषित हुए भारत-मध्यपूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर के माध्यम से दुनिया में रेल एवं जल मार्ग से भी भारतीय कंपनियों के लिए नए अवसरों की संभावनाओं को आगे बढ़ाया। देश नए मुक्त व्यापार समझौतों के लिए तेजी से आगे बढ़ता दिखाई दिया। बीत रहे साल में लगभग प्रतिमाह बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी और उद्योग-कारोबार में बेहतरी से जीएसटी कलेक्शन में वृद्धि हुई। यह 12 प्रतिशत बढ़ा।

इस वर्ष में भारत दुनिया में सर्वाधिक डिजिटल पेमेंट ट्रांजेक्शन वाले देश के रूप में रेखांकित हुआ। यह भी कि आरबीआई द्वारा 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने के बाद बैंक जमा में भारी वृद्धि हुई। वहीं वर्ष 2023 में भारत राजकोषीय घाटा नियंत्रण में सफल रहा है। इस साल में केंद्र सरकार राजकोषीय घाटे के निर्धारित लक्ष्य जीडीपी के 5.9 फीसदी तक सीमित रखने में सफल रही।

बीत रहे साल में देश कृषि क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ा। फसल वर्ष 2022-23 के चौथे अग्रिम अनुमान के मुताबिक देश में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 32.36 करोड़ टन के स्तर पर पहुंचते हुए वर्ष 2023-24 में गेहूं और चावल उत्पादन में कुछ कमी के अनुमान प्रस्तुत हुए हैं। भारत की पहल पर वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष 2023 यानी मोटा अनाज वर्ष घोषित किए जाने के कारण भारत में श्रीअन्न के उत्पादन और निर्यात में वृद्धि हुई। यह भी कि वर्ष भर 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को प्रति माह 5 किलो मुफ्त खाद्यान्न दिया गया।

दरअसल, साल 2023 आगामी वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों के बीच भी 6.5 फीसदी से अधिक विकास दर की संभावनाओं का उपहार सौंप रहा है। इससे भारत 2024 में भी दुनिया में सबसे तेज विकास वाली अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

दुकान अच्छी चली, बस ग्राहकों की क्वालिटी गिरी

साल 2023 निकल ही गया, साल कमाल रहा है, एनिमल और डंकी की खूब चर्चा रही, प्याज पर हल्ला रहा, इंसानों की चर्चा खास ना हो पायी। वो ही इंसान चर्चा में रहे, जो इंसान होने के साथ साथ नेता भी थे, यू नेताओं से इंसानियत की उम्मीद बेकार है फिर भी चर्चा में नेता ही रहे।

राजस्थान में गहलोत की पार्टी हार गयी, मध्यप्रदेश में कमलनाथ की पार्टी हार गयी, राजस्थान और मध्यप्रदेश में कांग्रेस हार गयी, यह बात चुनाव आयोग ने कही। पर यह बात मानने से इनकार कर दिया कई बुद्धिजीवियों ने, कई एक्सपर्ट ने। इन्होने बताया कि कांग्रेस हारी नहीं है कांग्रेस तो मजबूती से जमी हुई है। इस तर्क से 2014 से अब तक कांग्रेस हारी ही नहीं है। राजनीति मजे का धंधा है, कुछ भी कोई भी साबित कर सकता है। कोई दुकान हो, वहां ग्राहक कम आयें, तो कारोबारी समझ सकता है कि धंधा मंदा जा रहा है। पर पालिटिक्स के एक्सपर्ट अलग हैं। दुकान का धंधा मंदा हो जाये, कस्टमर कम हो जायें, तो एक्सपर्ट दुकान के मालिक को बता सकते हैं-सर हमारी क्वालिटी बहुत शानदार हो गयी है। दरअसल, अच्छी क्वालिटी को समझने वाले लोग तो बहुत कम होते हैं। आप समझिये न टॉप क्लास क्लासिकल म्यूजिक सुनने वाले कितने कम होते हैं। अब हमारा आइटम इतनी क्वालिटी वाला है कि लोगों की समझ में नहीं आ रहा है। तो इसका मतलब यह है कि हमारी क्वालिटी तो वैसे ही वैसी है, बस यूं समझिये कि ग्राहकों की क्वालिटी डाउन हुई है। ग्राहकों की क्वालिटी गिरी है।

समझदार दुकानदार होगा तो ऐसे एक्सपर्ट को लात मारकर भगा देगा कि भाई तू क्या कर रहा है दुकान बंद हो रही है और तू मेरे ईगो को सहला रहा है कि ग्राहकों की क्वालिटी डाऊन है, हम तो टापमटाप हैं। भाई हम आइटम बेच रहे हैं,अगर हमारे ग्राहक भी क्लासिक सुननेवाले जितने रह गये, हमारी तो दुकान बंद हो लेगी। पर राजनीति की दुकान में सारे समझदार न होते। सच्चा दुकानदार जानता है कि कस्टमर कभी घटिया न होता, कस्टमर की दो ही वैरायटी होती है-एक वो जो आपकी दुकान पर आता है, दूसरा वह जो आपकी दुकान नहीं आता। समझदार दुकानदार की कोशिश होती कि जो कस्टमर दुकान में नहीं आ रहा है, वैसे कैसे आये। पर यह बात हर नेता नहीं जानता। इसलिए ऐसे नेताओं की दुकान बंद हो जाती है। जिन नेताओं की दुकान बंद हो जाती है, वो दूसरे राजनीतिक दलों के एडवाइजर बन जाते हैं।

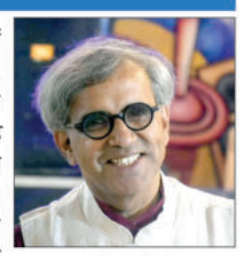

आलोक पुराणिक

2023 में हिंदी साहित्य की गति वैसी ही रही, जैसी 2022 में थी-पाठक उतने ही रहे, जितने पहले थे। कवि एक दूसरे को कविता सुना कर खुश होते रहे और आम पाठक के बारे में वही बात करते रहे जो कई बंद राजनीतिक दुकानों के मालिक करते थे-पाठक घटिया है।

नारी को शक्ति और संरक्षण की गारंटी का साल

एक और साल बीतने को है। नववर्ष का आगमन, पुरातन का आकलन, उत्साह, खुशी, ऊर्जा, सफलता, असफलता, निराशा, अपमान, हताशा और अंत में 'आशा' इन्हीं शब्दों का पिटारा ही तो है वर्ष 20233। तीव्र गति से बढ़ती आर्थिक विकास की गति भारत का एक गौरवशाली इतिहास लिखने को तत्पर है। इस जाते हुए वर्ष में बहुत कुछ मंथन करने को है, उलझन इस बात की है कि आरंभ कहां से हो? चर्चा खुशियों की हों या जिक्र हताशा का भी हो, यह तय है कि हर पराजय जीत के सबक देकर जाती है, बशर्ते हमारी मंशा देश हित की हो। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि बात जब देश की 'सक्षमता' की हो तो आधी-आबादी का जिक्र न उठे क्योंकि उनकी 'सक्षमता' देश को सक्षम बनाती है, उनका 'आर्थिक स्वावलंबन' देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करता है, उनकी 'अस्मिता' की रक्षा देश के आत्मसम्मान का संरक्षण करती है।

विचारणीय यह है कि 2023 अपनी यादों में देश की आधी-आबादी के लिए क्या छोड़कर जा रहा है? इस वर्ष का आरंभ ही महिला सक्षमता की एक नवीन पटकथा के लेखन से हुआ, जब जनवरी माह में सेनाध्यक्ष ने सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट में महिलाओं को शामिल करने का ऐलान किया जिसे सरकार ने मार्च माह में स्वीकृति दी। वर्ष 2023 इस रूप में भी अपनी छाप छोड़ गया कि 'फायर एंड फ्यूरी सैपर्स' की कैप्टन शिवा चौहान को दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन के 'कुमार-पोस्ट' पर तैनात किया गया। महिला अग्निवीरों ने फौज में सम्मिलित होकर यह सिद्ध कर दिया कि अगर उन्हें मौका मिले तो महिला सशक्तता की नित्य नवीन इबारत वह लिख सकती हैं।

नवंबर आते-आते सेना में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का एक और उदाहरण उस समय देखने को मिला जब सशस्त्र सेना ट्रांसफ्यूजन सेंटर की कमान पहली बार महिला अधिकारी को सौंपी गई। 2023 का अंतिम माह लैंगिक समावेशिता की अनूठी छाप तब छोड़ गया जब भारतीय सेना ने नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 4 से 8 दिसंबर तक दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन की महिला अधिकारियों के लिए एक टेबल-टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया। यह अभ्यास प्रतिभागियों के लिए वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को प्रतिबिंबित करते हुए जटिल शांति स्थापना परिदृश्यों पर प्रतिक्रियाओं का अनुकरण और रणनीति बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। आधी-आबादी की सशक्तता के पदचाप उस समय सुनाई दिए जब पूर्वोत्तर भारतीय राज्य नागालैंड से निर्वाचित महिला सांसद एस फांगनोन कोन्याक को सदन की कार्यवाही के संचालन का अवसर मिला। संसद के मानसून सत्र से पहले बनाए गए आठ सदस्यीय पैनल में चार महिलाओं को शामिल किया गया। राज्यसभा के इतिहास में पहली बार उपाध्यक्षों के इस पैनल में महिला सदस्यों को समान संख्या में प्रतिनिधित्व मिला।

महिला सशक्तीकरण का सफल अध्याय तब तक लिखा जाना संभव नहीं जब तक कि महिलाएं निर्णय लेने की क्षमता प्राप्त नहीं करतीं। निर्णय लेने की क्षमता का सबसे सशक्त आधार 'राजनीतिक सत्ता' है क्योंकि यह नेतृत्व क्षमता प्रदान करती है। 2023 में महिला सशक्तीकरण का बिगुल तब बजा जब सितंबर माह में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का उद्घोष हुआ। संसद में केंद्र सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की घोषणा की। वर्ष 2023 का यह निर्णय भविष्य की तस्वीर बदल देगा। वर्तमान में लोकसभा के कुल 543 सदस्य हैं। वर्तमान में मौजूद सदन में महिलाएं 82 हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी होने के बाद 181 महिला सांसद होगी। यह अंतर आंकड़ों भर का नहीं होगा अपितु यह अंतर एक सशक्त देश की तस्वीर उकेरेगा।

महिलाओं के लिए दीर्घकालिक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के उद्देश्य से की गई नीतिगत पहलुओं से महिला सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के प्रयास तब फलीभूत होते प्रतीत होते हैं जब सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की अक्तूबर माह में जारी आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण रिपोर्ट बताती है कि देश में महिला श्रमबल भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई पहल की गई।

यह वर्ष विश्व मानचित्र में कभी न मिटने वाली कहानी चंद्रयान-3 जब लिख रहा था तब कई महिला वैज्ञानिक उस कथा की रचना में अपना अभूतपूर्व सहयोग दे रही थीं। हर वह क्षेत्र जहां महिलाओं के अस्तित्व को नकारा गया 2023 यह सिद्ध करता चला गया कि महिला सशक्तता किसी भी बाधा को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। मार्च, 2023 में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन की रिपोर्ट बताती है कि भारतीय महिलाएं आसमान में भी सुराख कर रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत में 15 प्रतिशत महिला पायलट हैं जो कि वैश्विक औसत से पांच प्रतिशत का तीन गुना है। खेल की दुनिया विशेष कर क्रिकेट को 'जेंटलमैन गेम' मानने की परंपरा को महिलाओं ने भेद दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई गेम्स 2023 में इतिहास रचा, हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम ने गोल्ड मेडल जीता। यही नहीं, 2023 का अंतिम माह गवाह बना उस क्षण का जब दुनिया की दिग्गज टीमों में शुमार ऑस्ट्रेलिया को भारतीय महिलाओं ने इकलौते टेस्ट में 8 विकेट से पराजित करके ऐसा धमाका किया जिसकी गूंज क्रिकेट के इतिहास में सुनाई देती रहेगी।

इन सफलताओं की कहानी के बीच बहुत कुछ पीड़ादायक भी घटा। यौन शोषण के खिलाफ धरने पर बैठी महिला पहलवान का दुख, हताशा यह बताने के लिए काफी था कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था में उनकी लड़ाई आसान नहीं है। वहीं मणिपुर में महिलाओं के साथ जो कुछ भी घटित हुआ वह 2023 को शर्मिंदा कर गया। इस वर्ष का मार्च का महीना वह घाव दे गया जो कभी भी भरा नहीं जा सकता। उदयपुर (राज.) में दस वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसके शरीर के 10 टुकड़े कर दिए गए वहीं भीलवाड़ा (राज.) में एक मासूम बच्ची को कोयले की भट्टी में झोंकने की घटना रूह कंपा देने वाली थी। दुष्कर्म की घटनाओं से छलनी होती महिला अस्मिता, विकास के हर स्तंभ पर एक प्रश्न चिन्ह खड़ा कर देती है।

डॉ. ऋतु सारस्वत

घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न के दाग 2023 के अध्याय को कलंकित करते हैं, परंतु राहत की बात यह है कि केंद्रीय गृहमंत्री ने हाल ही में न्याय प्रणाली में सुधार के लिए 'भारतीय न्याय संहिता 2023' सहित तीन विधेयक पेश किए। भारतीय न्याय संहिता 2023 सन? 1860 की पुरानी दंड संहिता की जगह लेगी। भारतीय न्याय संहिता 2023 की प्रमुख शक्तियों में से एक महिला के विरुद्ध अपराधों से संबंधित प्रावधानों को दी गई प्राथमिकता में निहित है। महिला उत्पीड़न पर कड़ी सजा का प्रावधान विश्वास दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों पर लगाम लगेगी।

कुल मिलाकर एक मजबूत कानूनी ढांचा यह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय समाज में महिलाओं को, समाज के समान सदस्यों के रूप में मान्यता दी जाए, भेदभाव और हिंसा से बचाया जाए और जीवन के सभी पहलुओं में पूरी तरह से भाग लेने का अधिकार दिया जाए। जी-20 'महिला नेतृत्व वाले समग्र विकास में पीढ़ीगत बदलाव का शिखर' विषय पर केंद्रित आयोजन यह स्पष्ट इंगित करता है कि आने वाला समय महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर ही केंद्रित होगा। 2023 की उपलब्धियों की पुनरावृत्ति और नाकामियों से सबक- इसी आशा के साथ 2024 को आधी दुनिया के साथ कदमताल करने की आकांक्षा है।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का समय पर काम कर रचा इतिहास

माही की गूंज, रतलाम।

मुम्बई-दिल्ली मुख्य रेल मार्ग पर नागदा-गोधरा खंड में स्थित पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल का रतलाम जंक्शन रेलवे स्टेशन एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। जहाँ से प्रतिदिन सैंकड़ों की संख्या में राजधानी सहित मेल/ एक्सप्रेस/ पैसेंजर एवं मालगाड़ियों का परिचालन किया जाता है। इस स्टेशन से जहाँ एक ओर दाहोद की ओर ट्रेने जाती है वहीं दूसरी ओर कोटा, भोपाल, इंदौर एवं चित्तौड़गढ़ के लिए ट्रेनों का परिचालन किया जाता है।

रतलाम स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) एवं यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य काफी लंबे समय से किया जाना प्रस्तावित था, जिसको पूरा किया गया। रतलाम मंडल के रतलाम जंक्शन स्टेशन पर 37 वर्ष पुरानी आरआरआई (रूट रिले इंटरलॉकिंग) एवं पैनल बेस्ड इंटरलॉकिंग सिस्टम की जगह नई आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) एवं कम्प्यूटराइज्ड पैनल बेस्ड ऑपरेशन के इंस्टॉलेशन का कार्य सिगनल विभाग की टीम द्वारा पूर्ण किया गया। इसके साथ ही इनडोर एवं आउट डोर सिगनलिंग गियर्स के प्लेसमेंट का कार्य पूर्ण किया गया।

371 रूट्स वाली ईआई प्रणाली इस वित्तीय वर्ष में पश्चिम रेलवे की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) इंस्टॉलेशन है साथ ही यह इंस्टॉलेशन पश्चिम रेलवे का तीसरा सबसे बड़ा ईआई इंस्टॉलेशन भी है। रतलाम स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) कार्य के साथ-साथ यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य भी पूर्ण किया गया है। यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के पश्चात मुंबई-चित्तौडगढ़-मुंबई यात्री ट्रेनों का परिवहन प्लेटफॉर्म नंबर 7 जो रेलवे कॉलोनी साइड में स्थित है, से किया जा सकेगा। साथ में दिल्ली-मुम्बई रूट की ट्रेनों के परिवहन को सुगम बनाने के लिए दाहोद एंड की तरफ 3 नई लाइनों को कमिशन किया गया है। इसके साथ ही रतलाम ए केबिन के पैनल इंटरलॉकिंग के स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) का इंस्टॉलेशन किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) रेलवे की अत्याधुनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली है जिसमें फॉल्ट काफी कम होते हैं तथा फॉल्ट होने पर उसे आसानी से पता लगाकर तत्काल समाधान किया जा सकता है।

रतलाम यार्ड रिमॉडलिंग के साथ रतलाम स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 7 को मुम्बई एंड से जोडने का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। इससे दाहोद की ओर से आने वाली तथा मंदसौर की ओर जाने वाली ट्रेनों का प्लेटफार्म संख्या 7 से परिचालन किया जा सकेगा, प्लेटफॉर्म संख्या 5 व 6 से ट्रेनों का लोड कम होगा एवं यात्रियों की भीड़ में भी कमी आएगी, यार्ड में ट्रेनों का कंजेक्शन में कमी आएगी। प्लेटफार्म क्रमांक 7 की उपयोगिता बढ़ेगी, प्लेटफार्म क्रमांक 7 से दाहोद-रतलाम-मंदसौर मार्ग की ट्रेने चलने से इस मार्ग पर चलने वाले सामान्य यात्रियों के साथ ही साथ दिव्यांग, वरिष्ठ एवं बीमार यात्रियों को ऊपरी पैदल पुल पार करने की समस्या से मुक्ति मिलेगी, दाहोद की ओर से आने वाली तथा मंदसौर की ओर जाने वाली ट्रेनों के लिए एक अतिरिक्त पाथ मिलेगा।

25 दिसम्बर को मंडल रेल प्रबंधक रजनीश कुमार द्वारा मंडल के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) का शुभारंभ किया गया तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) होने के बाद प्लेटफार्म क्रमांक 5 से पहली गुड्स ट्रेन को सिग्नल देकर रवाना किया गया।

तीसरी बार विधायक और दूसरी बार मंत्री बने परमार

माही की गूंज, शाजापुर।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंत्रिमंडल विस्तार में शुजालपुर विधायक इंदर सिंह परमार को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार में वह स्कूल शिक्षा स्वतंत्र प्रभार एवं सामान्य प्रशासन विभाग मंत्री रहे। शाजापुर जिले के शुजालपुर विधानसभा सीट से वह दूसरी बार विधायक चुने गए हैं। इसके पहले एक बार वह कालापीपल विधानसभा से विधायक चुने गए। इस तरह इंदर सिंह परमार अब तक तीन बार विधायक चुने जा चुके हैं। वह बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक से जुड़ गए थे। बाद में छात्र राजनीति में रुचि के चलते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े, 1989 से 1996 तक एबीवीपी में विभिन्न पदों पर रहते हुए उज्जैन संभागीय संघटन मंत्री बने, शाजापुर भाजपा जिला महामंत्री दो बार बने। वे 2013 में कालापीपल से पहली बार विधायक बने, 2018 में कालापीपल सीट छोड़कर शुजालपुर से दूसरी बार विधायक बने, 2023 में शुजालपुर सीट से निर्वाचित होकर तीसरी बार विधायक बने।

ट्रक से टक्कर मारकर तीन लोगों को मौत के घाट उतारने वाला चालक गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में ट्रक से टक्कर मारकर तीन लोगों को मौत के घाट उतारने और तीन लोगों को घायल करने वाले चालक को पुलिस ने पकड़ लिया है। ट्रक चालक सीसीटीवी कैमरे की मदद से पुलिस की गिरफ्त में आया है। 14 दिसंबर को कुड़ेल नदी पुल मालवासा, खाचरौद-रतलाम रोड़ पर अज्ञात ट्रक चालक ने वाहन सवारों को टक्कर मार दी थी। टक्कर में फातिमा बी पति मुबारिक कुरैशी (52), मुबारिक पिता अब्दुल अजीज कुरैशी (55), औरप फरजाना पिता जलील अहमद कुरैशी (9) तीनों निवासी कुरेशी मंडी रतलाम को टक्कर मारी थी।

घटना में तीनों की मौत हो गई थी। इनके अलावा ट्रक चालक ने तीन अन्य लोग अमन उर्फ अरमान पिता अनवर हुसैन बागवान, फैजान शेख पिता रफीक एवं मोहसीन बागवान को भी टक्कर मारी थी। तीनों को घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था। घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला था। सूचना पर थाना नामली ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था।

आरोपी वाहन चालक भारत सिंह से आयशर ट्रक वाहन क्रमांक एमपी 09 जीएफ 6879 एवं वाहन संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए। आरोपी के विरूद्ध पृथक से धारा 151, 107, 116 (3) के तहत कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी भारत सिंह पिता भगवती प्रसाद देवड़ा जाति राजपूत (45) निवासी ग्राम जलवा थाना घटिया जिला उज्जैन का है।

आईजी ने की अपराध समीक्षा बैठक, कार्रवाई के दिए सख्त निर्देश

माही की गूंज, मंदसौर।

जिला मुख्यालय पर सत्र 2023 की समाप्ति के अवसर पर उज्जैन रेंज के आईजी राकेश श्रीवास्तव एवं रतलाम रेंज के डीआईजी मनोज सिंह ने पुलिस कंट्रोल रूम पर पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली। वार्षिक समीक्षा बैठक में अनेक बिंदुओं पर सिलसिले वार चर्चा की गई, विशेष कर गंभीर अपराधों के मामले में आईजी का कहना है कि कमी आई है हत्या और हत्या से जुड़े मामलों में भी कमी आई है। सिर्फ गांधीसागर क्षेत्र और सितामऊ थाना क्षेत्र में हत्या के दो अपराध पेंडिंग है, उनमें भी पुलिस पूरी मुस्तेदी के साथ जुटी हुई है।

पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया गया

खासतौर से दो नई चीजें हम लोग कर रहे हैं। जो गंभीर अपराधों में अपराधी है और जिनको बैल मिली है। विभिन्न न्यायालयों से उनकी बैल केंसलेशन का कार्य किया जा रहा है। आज की डेट में जिले में 50 से ज्यादा ऐसे अपराधी ऐसे चिन्हित किए गए है और 30 अपराधियों का बैल केंसलेशन के लिए पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया गया है। इस संबंध में मैंने डिटेल जानकारी ली है कि किस न्यायालय में कैसे अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है। उसको कैसे फॉलोअप किया जाए, ताकि आने वाले एक हफ्ते के अंदर जो दुर्दांत अपराधी है, उनका बैल कैंसल करवाकर उन्हे वापस जेल में दाखिल किया जा सके।

एनसीबी द्वारा की गई थी जांच

इसके साथ ही ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, उन मामलों के सिलसिले वार अधिकारियों से चर्चा की गई है। कुछ माह पूर्व उत्तर प्रदेश और हाल ही में राजस्थान पुलिस द्वारा एनडीपीएस के मामलों में मंदसौर जिले के पुलिस अधिकारियों व आरक्षकों पर दर्ज किए गए केस के बारे में आईजी ने कहा कि यह मामला पुराना है और इस मामले में भी एनसीबी द्वारा जांच की गई थी। जांच रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की गई है, यदि फिर भी कोई पुलिस अधिकारी ऐसे मामलों में दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गायत्री परिवार ने कुबेर मंदिर में स्वच्छता का द्वितीय चरण चलाया

माही की गूंज, मंदसौर।

गायत्री परिवार द्वारा नगर के मंदिर परिसरों, बगीचों, बावड़ियों में सफाई अभियान का क्रम निरंतर जारी है। श्रमदानियों ने सोमवार को खिलचीपुरा स्थित भगवान कुबेर मंदिर में सफाई अभियान का द्वितीय चरण चलाया।जिसके तहत मंदिर के पीछे के भाग को साफ स्वच्छ कर श्रमदानियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया।

इस दौरान श्रमदानी हर्ष शर्मा ने कहा कि, जहां गंदगी होगी वहां अधिक बीमारी पैदा होगी। बीमारियों से दूर रहना है कि हमें अपने घर के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों को साफ व स्वच्छ रखना होगा। गायत्री परिवार के श्रमदानी रमेश सोनी ने कहा कि हमने मंदिर के बगीचों की स्वच्छता का अभियान चला रखा है। अधिकांश स्थानों पर गंदगी मिल रही है।

डीजे संचालकों की मुसीबत बढ़ी, अपनी इन मांगों को लेकर देंगे धरना

माही की गूंज, शाजापुर।

प्रदेश की कमान संभालते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार ने सबसे पहले ध्वनि विस्तारक यंत्रों से होने वाले शोरगुल की शिकायतों के बाद गाईडलाइन जारी कर कम आवाज में बजाने के लिए उनके मानक तय कर दिए है। जिस पर शाजापुर सहित प्रदेशभर में मंदिर और मस्जिदों से लोगों ने माइक लाउडस्पीकर या तो उतार लिए हैं या बहुत कम आवाज में गाईडलाइन और मानक के अनुसार बजा रहे हैं।

लेकिन नई गाईडलाइन सबसे ज्यादा असर विवाह व विभिन्न उत्सवों में डीजे का संचालन करने वाले डीजे संचालकों पर पड़ा है। निर्धारित गाईडलाइन के अनुसार सिर्फ दो बक्सों के साथ इन्हें डीजे बजाने की अनुमति दी गई है। जिसका डीजे संचालक विरोध कर रहे हैं।

गाईडलाइन के चलते नहीं हो रहे ऑर्डर बुक

इनका कहना है कि, डीजे के व्यवसाय से जिले में 15 से 20 हजार के करीब गरीब वर्ग का तपका जुड़ा हुआ है और डीजे व्यवसाय का सीजन भी वर्ष में दो-तीन महीने का ही रहता है। अभी जो गाईडलाइन सरकार ने दी है इससे तो डीजे व्यवसाय से जुड़े लोगों के सामने भूखे मरने की नौबत आ गई है। नई गाईडलाइन के चलते डीजे के लिए ऑर्डर भी बुक नहीं हो रहा है और जिन्होंने बुक कर दिए हैं वह दबाव बना रहे हैं कि डीजे बजाना ही होगा और नहीं बजाएंगे तो बुकिंग का दुगना पैसा वसूल करेंगे।

ऐसे में लोगों का परिवार पाल सके जिसकी रोजी-रोटी डीजे के व्यवसाय से ही चलती है। बीते दिनों भी शाजापुर से पोस्टकार्ड लिखकर उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम गुहार लगाकर गाईडलाइन में राहत की मांग की थी और अब बुधवार को प्रदेश भर के डीजे संचालक भोपाल पहुंचे हैं, जहां दो बक्सों के साथ डीजे बजाने की गाईडलाइन में राहत की मांग कर 4 से 6 बक्सों के साथ डीजे बजाने की छूट देने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करेंगे।

दो बैलों की अस्थियां हरिपदी में की विसर्जित

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के गांव बाग का खेड़ा के निवासी दो भाई अपने बैलों की अस्थियां लेकर सोरों पहुंचे। पुरोहित ने हरिपदी पर पिंडदान क्रिया कराकर बैलों की अस्थियां गंगा में विसर्जित कराई हैं। विधिवत पिंडदान क्रिया के बाद अब बांग का खेड़ा गांव में तेरहवीं भोज आयोजित होगा। रविवार को सोरों आए भवानी सिंह व उल्फत सिंह ने बताया कि, अपने यहां दो बैलों माना व श्यामा मान के पाला था। 26 जनवरी को उनकी मौत हो गई। जिसके बाद बैलों का अंतिम संस्कार किया गया। उसके बाद मान्यता के मुताबिक बैलों की अस्थियां लेकर पिंडदान क्रिया करने आए हैं। तीर्थ पुरोहित उमेश पाठक ने पिंडदान क्रिया संपन्न कराई। पिंडदान क्रिया से पूर्व दोनों भाईयों ने अपने सिर भी मुंडवाएं। भवानी सिंह ने बताया कि गांव जाकर बैलों की तेरहवीं संस्कार करेंगे। जिसके लिए विधिवत भोज के निमंत्रण का कार्ड भी छपवाया है। तेरहवीं भोज में करीब तीन हजार लोगों के आमंत्रित किया जाएगा।

लूट की योजना बनाते अंतरराज्यीय गिरोह के 8 सदस्य गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

बिलपांक पुलिस ने सोमवार की रात धराड़ के निकट खण्डरनुमा मकान के पास राजस्थान की अंतरराज्यीय बाछड़ा गैंग को डकैती की योजना बनाने हुए पकड़ा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मुखबिर के माध्यम से खबर मिली थी कि, उक्त स्थान पर 7-8 बदमाश हथियार से लेंस होकर पेट्रोल पंप लूटने की योजना बना रहे है। जिन्हें पुलिस टीम ने दबिश देकर पकड़ा तथा उनके पास से धारदार हथियार, लाठी,मिर्ची का पाउडर, लोहे की चेन आदि सामग्री जप्त कर गिरफ्तार किया तथा धारा 399, 402 भादवि एवं 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया।

गिरफ्तार सभी आरोपी बाछड़ा समूदाय के है जिनमें 20 वर्षीय बंधनकुमार सिसोदिया निवासी ग्राम थाना कपासन जिला चित्तौड़, 28 वर्षीय कमलेश पिता उदयलाल कर्मावत निवासी वानसेन थाना भदेहसर जिला चित्तौड़, 30 वर्षीय रवि पिता किशनलाल कर्मावत निवासी पिपलियारूण्डी थाना मनासा, 24 वर्षीय रविन्द्र पिता रमेश मालवीय निवासी चंडोली थाना मनासा, 25 वर्षीय असलाल पिता मांगीलाल कर्मावत निवासी पिपलियारूण्डी थाना मनासा, 33 वर्षीय अंकुश पिता जगदीश कर्मावत निवासी पिपलियारूण्डी थाना मनासा, 19 वर्षीय राहुल पिता मदनलाल कर्मावत निवासी पिपलियारूण्डी एवं 24 वर्षीय रवि पिता रोड़मल मालवीय निवासी चंडोली थाना मनासा जिला नीमच है। सभी गिरफ्तार कंजर आपराधिक प्रवृत्ति के है, जिनके खिलाफ राजस्थान और मध्यप्रदेश के विभिन्न थानों में प्रकरण दर्ज है।

दीप्ति कॉन्वेंट स्कूल की गुंडा गर्दी, 12 वर्षीय बालक को लोहे की स्केल से पीटा

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

दीप्ति कान्वेंट स्कूल के टीचर ने एक 12 वर्ष के मासूम को स्केल से पीटा। जिसके बाद एबीवीपी के कार्यकर्ताओ ने स्कूल में हंगामा किया। दीप्ति कार्वेन्ट स्कूल की गुंडागर्दी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और कार्यवाही के नाम पर शिक्षा विभाग तमाशाबिन बना हुआ है। दीप्ति कान्वेंट स्कूल पर कार्रवाई न करके शिक्षा विभाग इन जैसे स्कूल संचालकों के हौसले दिन प्रतिदिन बुलंद कर रहा है व टीचर की गुंडागर्दी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

शिक्षा के मन्दिर में नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाले इस नामी स्कूल के टीचर ने एक मासूम के साथ बेरहमी और दरिंदगी से किए इस घटनाक्रम में मानवता को शर्मसार करके रख दिया है। यह घटना शुजालपुर के ख्याति प्राप्त ईसाई मिशनरी द्वारा संचालित दीप्ती कॉन्वेंट स्कूल की है। जहां छठवीं क्लास में पढ़ने वाले एक मासूम बालक को उसके इंग्लिश क्लास के टीचर ने बड़ी ही बेरहमी से लोहे की स्केल से पीट दिया। स्कूल से घर जाने के बाद मासूम लक्ष्य अग्रवाल ने अपने दादाजी ओमप्रकाश अग्रवाल को स्कूल टीचर की इस नाकपाक हरकत के बारे में बताया। इसके बाद अपने 12 वर्षीय मासूम पोते को लेकर शुजालपुर मंडी थाना पहुंचे दादाजी ने दीप्ति कान्वेंट स्कूल के इंग्लिश टीचर थॉमस सर के खिलाफ शिकायती आवेदन पत्र दिया। मंडी थाना पुलिस ने मासूम बालक की शिकायत पर भारतीय दंड विधान की धारा 323, 294 और 506 में प्रकरण पंजीबद्ध कर स्कूल टीचर के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

कई बार हुई इस प्रकार की घटना

हालांकि इस स्कूल का यह पहला घटनाक्रम नहीं है जो इस स्कूल में घटित हुआ है। इसके पहले भी कई बार इस तरह मासूमों की पिटाई की कई शिकायत इस दीप्ति कान्वेंट स्कूल से आई थी, परंतु स्कूल संचालकों द्वारा कहीं न कहीं पलकों पर दबाव बनाकर और उनके बच्चों के भविष्य को खराब करने की धमकियां देकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

हालांकि इस बार स्कूल की प्रिंसिपल ने स्कूल टीचर को बर्खास्त करने की बात कहते हुए पीड़ित छात्र के परिजनों से माफी मांगी है। यदि ऐसा नही होता है तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन करने की चेतावनी स्कूल प्रशासन को दी है।

बहू के निधन के बाद सास संभालेगी सरपंच पद

माही की गूंज, खरगोन।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत रिक्त सीटों पर निर्वाचन की कवायद की जा रही है। इसके तहत मतदान पांच जनवरी को होना है। बड़वाह जनपद में भी ग्राम पंचायत खंगवाडा में सरपंच एवं 28 पंचायतों में 92 पंच पद के लिए निर्वाचन की तैयारी निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही थी।इसके लिए इच्छुक उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र भी बड़वाहजनपद कार्यालय में जमा किए गए थे। लेकिन अब इन पंचायतों में चुनाव की नौबत ही नहीं आएगी।

इसका कारण है की यहां खंगवाडा में एक मात्र फ़ार्म जमा होने से यहां मतदान की प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं रही। इस पंचायत में सरपंच रहते हुए बहू के निधन के बाद ग्रामीणों ने मिलकर सास को अपना सरपंच तय कर लिया। नतीजतन एकमात्र आवेदन आने पर वह इस पंचायत के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो गई है। अब बहू के विकास कार्यों को सास आगे बढ़ाएगी।

उल्लेखनीय है कि खंगवाडा में हुए त्रिस्तरीय पंचायत मुख्य निर्वाचन में 40 वर्षीय ममताबाई पति जगदीश चुनाव लड़ी थी। यह पंचायत महिला आरक्षित थी इस लेकिन सितंबर माह में बीमारी के चलते ममताबाई का निधन हो गया था लेकिन ग्रामीण ममताबाई के कार्यों से खुश थे।

यहीं कारण है की उपचुनाव में दावेदार होने के बावजूद ग्रामीणों ने आपसी सहमती से एकमात्र उम्मीदवार स्व. ममताबाई की सास नानीबाई पति बालकराम को सरपंच चुनने का तय किया। नानीबाई के अलावा अन्य किसी उम्मीदवार ने उपचुनाव में फार्म नहीं डाला। यहीं कारण है की अपनी बहू के बाद 66 वर्षीय सास नानीबाई सरपंच पद का कार्यभार जल्द संभालेगी।

यही स्थिति पंच पदों के लिए भी हैं। कुल 92 वार्ड में रिक्त पंच पद पर इच्छुक केवल 25 आवेदन प्राप्त हुए हैं। ये सभी आवेदन संबंधित वार्डों में सिंगल ही प्राप्त हुए हैं। ऐसे में इन वार्डो में भी आवेदन करने वाले उम्मीदवार निर्विरोध पंच निर्वाचित हो जाएंगे।ऐसे में बड़वाह जनपद में किसी भी सरपंच एवं पंच के लिए मतदान की प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं रहेंगी।

296 करोड़ वाला अगर 12 लाख छोड़ दे तो कौन सी बड़ी बात - उमा भारती

भोपाल।

रतलाम सीट से भाजपा विधायक और मुख्यमंत्री डॉ, मोहन यादव के कैबिनेट मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप की मध्य प्रदेश के सियासी गलियारों में बड़ी चर्चा है। अपनी सैलरी और पेंशन का त्याग करने वाले प्रदेश के इकलौते विधायक व मंत्री को अब पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने नई सलाह दे डाली है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उमा भारती ने लिखा, हाल ही में मंत्री बने तथा रतलाम के एक संपन्न जैन व्यवसायी चेतन काश्यप ने अपनी संपत्ति 296 करोड़ घोषित की है। अभी कुछ दिनों पहले मध्यप्रदेश के अखबारों में उनकी तारीफ लिखी थी कि वह अपना विधायक का वेतन नहीं लेते, जो कि सालभर का करीब 12 लाख रुपए होता है। 296 करोड़ वाला व्यक्ति अगर सरकार के 12 लाख छोड़ देता है तो इसमें कौन-सी बड़ी बात है...?

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती आगे लिखती हैं, चेतन काश्यप सरकार को वेतन वापस करने के बजाय वह राशि अभावग्रस्त लड़कियां की शिक्षा पर खर्च करें। हमें यह याद रखना पड़ेगा कि सभी विधायक बड़े व्यवसायी नहीं होते और न वो राजनीति से अपना व्यवसाय बढ़ाते हैं।

एक बार सांसद वरुण गांधी ने कहा था कि, सांसदों को तनख्वाह और पेंशन नहीं लेना चाहिए। गांधी ऐसा कर सकते है, क्योंकि वो हजारों करोड़ों की पैतृक संपत्ति के मालिक हैं। अपना सर्वस्व त्यागकर राजनीति के माध्यम से जनसेवा करने वाले जनप्रतिनिधियों को हर तरह की सहूलियत सरकार से मिलनी चाहिए।

अगर विधायकों और सांसदों को ईमानदारी की राह पर चलना आसान बनाना है, तो चेतन कश्यप जैसे पूंजीपति विधायकों को छोड़कर सभी विधायक की तनख्वाह और अन्य भत्ते आज की सभी परिस्थितियों को देखकर मिलने चाहिए।

तीसरे कार्यकाल में भी सैलरी न लेने का ऐलान

चेतन्य कुमार काश्यप ने इस बार

विधानसभा सत्र के दौरान वेतन भत्तों और पेंशन का त्याग करने का ऐलान किया था। अपनी सैलरी को राजकोष से जनहित कार्यों में लगाने की बात विधानसभा में कही। यही नहीं, इससे पहले दो बार विधायक रहने के बावजूद भी काश्यप ने वेतन भत्तों का कोई लाभ नहीं लिया था। इसके अलावा विधायक रहने के साथ-साथ काश्यप साल 2016 से 2018 तक राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष (दर्जा प्राप्त कैबिनेट मंत्री) रहे। लेकिन उस दौरान भी किसी प्रकार का कोई शासकीय लाभ नहीं लिया था।

बता दें कि, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत मंत्रिमंडल के सदस्यों की औसत संपत्ति 18.54 करोड़ रुपये है। प्रदेश के 31 में से 30 (97 फीसदी) मंत्री करोड़पति हैं। मंत्रिमंडल में सबसे ज्यादा संपत्ति (296 करोड़ रुपये) चेतन्य काश्यप की हैं। सबसे कम संपत्ति (89.64 लाख रुपये) राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम टेटवाल की है।

परीक्षा फॉर्म में त्रुटि सुधार के लिए एक और मौका

भोपाल। म.प्र. माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) के 12वीं के विद्यार्थी दो जनवरी तक त्रुटि सुधार सकते है। इसके लिए भी माशिमं ने विद्यार्थियों को 500 रुपये का अर्थदंड लगाया है। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए काम की खबर है। एमपी बोर्ड द्वारा हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म में त्रुटि सुधार के लिए एक और मौका दिया गया है। इसके तहत अगर 12वीं के फॉर्म को भरते समय कोई गलती हो गई है तो उसे 2 जनवरी तक 500 रुपए अर्थदंड के साथ सुधार सकते है। पहले त्रुटि सुधार की सुविधा 31 अक्टूबर तक प्रदान की गई थी। इसके साथ स्कूल के प्राचार्य के नाम निर्देश भी जारी किए गए हैं।

2 जनवरी तक कर सकते है विषय सुधार

दरअसल, फरवरी में बोर्ड परीक्षाओं से पहले मंडल ने 12वीं के परीक्षा फार्म में गलत विषय भर देने वाले छात्रों को त्रुटि सुधार का एक और मौका दिया है। इसके तहत 12वीं का फार्म भरने वाले छात्रों को 11वीं में चुने गए विषय ही भरना है, क्योंकि मंडल द्वारा 11वीं से द्विवर्षीय पाठ्यक्रम लागू किया है, जिससे 11वीं में एक बार कोई विषय या संकाय लेने के बाद उसे 12वीं में परिवर्तन नहीं कर सकते है। इसके लिए छात्रों को 11वीं की प्रमाणित मार्कशीट अटैच करना होगी। संबंधित संस्था प्राचार्य को त्रुटि सुधार के साथ एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर संबंधित छात्र की कक्षा 11वीं उत्तीर्ण की अंकसूची एवं घोषणा-पत्र अपलोड करना अनिवार्य है।

यदि यह पाया जाता है, कि किसी संस्था द्वारा तथ्यों को छुपाते हुये गलत तरीके विषयों

त्रुटि सुधार आवेदन के साथ घोषणा पत्र अनिवार्य

माशिमं द्वारा मंगलवार को जारी आदेश के तहत संबंधित संस्था प्राचार्य को त्रुटि सुधार के साथ एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर संबंधित छात्र की कक्षा 11वीं उत्तीर्ण की अंकसूची एवं इस आशय का घोषणा-पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा कि जिन विषयों के विषयों में त्रुटि सुधार किया गया है, उन छात्रों ने कक्षा 11वीं में इन्ही विषयों का अध्ययन किया गया है तथा संस्था द्वारा इन्ही विषयों की अंकसूची छात्रों को जारी की गई है।

में संशोधन किया गया हैं, तो शासकीय विद्यालय होने की स्थिति में संबंधित संस्था प्राचार्य के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल को लिखा जावेगा एवं अशासकीय विद्यालय होने की स्थिति में संबंधित विद्यालय की संबद्धता तत्काल प्रभाव से समाप्त की जा सकेगी।

कब होंगे 10वीं-12वीं के एग्जाम

बता दे कि इस बार लोकसभा चुनाव के चलते 10वीं एमपी बोर्ड की परीक्षाएं 5 फरवरी से शुरू होंगी और 28 फरवरी 2024 तक चलेंगी। वहीं बारहवीं के एग्जाम 6 फरवरी के दिन शुरू होंगे और 5 मार्च 2024 तक चलेंगे। दसवीं की परीक्षा के पहले दिन हिंदी का एग्जाम होगा और आखिरी दिन एनक्यूएसएफ और एआई के पेपर होंगे। इसी तरह बारहवीं की परीक्षा के पहले दिन हिंदी का एग्जाम होगा और आखिरी दिन छात्र उर्दू और मराठी के पेपर देंगे।

मुझे मेरी पड़ोसन से बचाइए साहब...!

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक पीड़ित शख्स ने एसपी ऑफिस पहुंचकर गुहार लगाई है कि, मेरी पड़ोसन से मुझे बचाओ साहब... !

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उसकी पड़ोसन महिला बीते एक साल से उसके घर के बाहर चबूतरे पर गंदगी के साथ ही पानी में कचरा घोलकर फेंकती है। रोकने- टोकने पर झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देती है, मामले में पीड़ित द्वारा दिये गए सीसीटीवी फुटेज के चलते एएसपी ने जांच के आदेश दिए है।

दरअसल, माधवगंज थाना क्षेत्र के समाधिया कॉलोनी में रहने वाले अखिलेश शर्मा अपनी पड़ोसन से परेशान हैं। उनका आरोप है कि उसकी पड़ोसन महिला बीते एक साल से उसके घर के बाहर कभी गन्दगी तो कभी पानी मे कचरा घोलकर फेंकती है। मना करने पर उसे झूठे मामलों में फसाने के साथ घर हड़पने की धमकी देती है। अखिलेश ने एक साल में सैंकड़ों शिकायती आवेदन पुलिस थाने, निगम ऑफिस में दिए, लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। इस बार वे एसपी ऑफिस पहुंचे और एसपी से गुहार लगाई कि, मेरी पड़ोसन से बचाओ साहब !

अखिलेश शर्मा ने अपने शिकायती आवेदन के साथ पड़ोसन महिला की करतूत के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को दिए। फुटेज के आधार पर थाना सर्कल के एएसपी गजेंद्र वर्धमान ने मामले की जांच के आदेश दिए है। उनका कहना है कि शिकायतकर्ता ने आवेदन फुटेज दिए हैं। उसके आधार पर जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। वहीं अखिलेश शर्मा ने एएसपी की जांच के आदेश के बाद न्याय मिलने की उम्मीद जताई है।

इन स्टेशनों पर ही हो जाएंगे महाकाल की भस्म आरती के दर्शन

माही की गूंज, उज्जैन।

उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन सुबह होने वाली भस्म आरती को अब लोग एमपी के दो रेलवे स्टेशनों पर भी देख सकेंगे। इसको लेकर रेलवे एक नई योजना पर काम कर रहा है। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन सुबह होने वाली भस्म आरती में शामिल नहीं होने और बाबा महाकाल के दर्शन नहीं मिलने की कसक अब भक्तों को नहीं रहेगी। रेलवे, उज्जैन और इंदौर के स्टेशन पर वीआर तकनीक से इसे दिखाने का प्रबंध कर रहा है, जिससे भक्तों को सीधे महाकाल मंदिर की भस्म आरती में शामिल होने का अनुभव मिलेगा।

पश्चिम रेलवे के रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क निरीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि, वर्चुअल रियलिटी अर्थात वीआर तकनीक से भस्म आरती के दर्शन के लिए भोपाल की एक निजी कंपनी को रेलवे द्वारा काम सौंपा गया है। रेलवे द्वारा कंपनी को उज्जैन और इंदौर स्टेशन पर 200 वर्ग फुट जगह दी जा रही है। इसमें कंपनी अपने खर्च से उपकरण लगाएगी और रेलवे को प्रतिवर्ष करीब 10 लाख रूपए अदा भी करेगी।

रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क निरीक्षक मुकेश कुमार ने कहा कि इस तकनीक का उपयोग महाकाल की भस्म आरती के दर्शन के अलावा बाबा महाकाल के लाइव दर्शन और अन्य ऐतिहासिक स्थलों को दिखाने में भी किया जाएगा। कंपनी अपने शुल्क तय कर श्रद्धालुओं को दर्शन की यह सुविधा देगी। पहले चरण में करीब दो वर्ष के लिए कंपनी को यह काम सौंपा जा रहा है। गौरतलब है कि उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु आ रहे है। इनमें से अलसुबह होने वाली भस्म आरती में शामिल होने का मौका सबको नहीं मिल पाता है।

श्रद्धालु इस आरती को लाइव देख भी नहीं पाते हैं। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महाकाल लोक गलियारे के प्रथम चरण की शुरुआत के बाद उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन करने आने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। देश में स्थापित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में है और यहां देश विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन के लिए आते हैं। रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई जा रही वीआर तकनीक से श्रद्धालुओं को साक्षात भस्म आरती में शामिल होने के साथ बाबा के दर्शन का अनुभव मिलेगा।

आज जिले के इन ग्रामों में जाएगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में 17 दिसम्बर से प्रारंभ हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा 26 जनवरी तक जारी रहेगी। यात्रा के संचालन हेतु पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा रूट चार्ट निर्धारित किया गया है। जारी रूट चार्ट अनुसार 28 दिसम्बर को विकसित भारत संकल्प यात्रा विकासखण्ड बड़वानी के ग्राम बडगांव एवं बोम्या में, विकासखण्ड पाटी के ग्राम पोखल्या एवं पखालिया में, विकासखण्ड राजपुर के ग्राम जलगोन और सालखेडा में, विकासखण्ड सेंधवा के ग्राम अंजनगांव, टाक्यापानी, नवलपुरा, डोकल्यापानी में, विकासखण्ड ठीकरी के ग्राम पिपल्याडेब एवं उचावद में निकाली जायेगी।

समय सीमा में सेवा नही देने पर लगा जुर्माना

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने लोकसेवा प्रदान गारंटी अधिनियम के तहत आवेदक को निर्धारित समय सीमा में वांछित सेवा उपलब्ध न करवाने पर 9 अधिकारियों पर 1-1 हजार रुपये का जुर्माना आरोपित किया है। जानकारीनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेखा जमरे पर एक आवेदन, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी सेंधवा डॉ. ओएस कनेल पर 3 आवेदन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोहन अलावा पर 2 आवेदन, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पानसेमल अरूण मिश्रा पर 1 आवेदन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पाटी मनोज निगम पर 1 आवेदन, संभागीय उप परिवहन आयुक्त सेंधवा राजेश राठौर पर 3 आवेदन, गृह विभाग ठीकरी के विक्रमसिंह बामनिया पर 1 आवेदन, संभागीय परियोजना यंत्री राजपुर आरती यादव पर 1 आवेदन, तहसीलदार पानसेमल हितेन्द्र भावसार पर 1 आवेदन पर आरसीएमएस पोर्टल अनुसार 3 माह से अधिक समय सीमा बाह्य होने से कलेक्टर द्वारा शास्ति अधिरोपित की है।

बेबाकी के साथ...सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

विकसित भारत संकल्प यात्रा आज इन ग्रामों के भ्रमण पर

माही की गूंज, खरगोन।

विकसित भारत संकल्प यात्रा 28 दिसम्बर को जिले की 22 ग्राम पंचायतों में भ्रमण करेगी। इस दौरान यात्रा सेगांव विकासखण्ड की ग्राम पंचायत गंधावड़ और कमोदवाड़ा में, खरगोन विकासखण्ड की ग्राम पंचायत टेमला और अघावन में, गोगावां विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बेहरामपुरा और टेमरना में, भीकनगांव विकासखण्ड की ग्राम पंचायत खेरदा और दौड़वा में, भगवानपुरा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बलखड़ खुर्द और हीरापुर में, झिरन्या विकासखण्ड की ग्राम पंचायत नानकोड़ी और सोनखेड़ी में, सनावद सर्कल की ग्राम पंचायत फनगांव राहडकोट और मोगावां में, महेश्वर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत टेकवां और गुजरमोहना में, बड़वाह विकासखण्ड की ग्राम पंचायत नावघाटखेड़ी और बावड़ीखेड़ा में, कसरावद विकासखण्ड की ग्राम पंचायत डोलानी और जलखां में तथा पिपलगोन सर्कल की ग्राम पंचायत खेड़ी और लोहारी ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा का भ्रमण रहेगा।

मोटर व्हीकल एक्ट का पालन करे, लापरवाही से वाहन न चलाए

विधि महाविद्यालय में हुआ विधिक साक्षरता शिविर

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय विधि महाविद्यालय खरगोन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय मण्डलेश्वर द्वारा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का अयोजन जिला न्याययाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के नरेन्द्र पटेल एवं शासकीय विधि महाविद्यालय खरगोन के प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा के मार्गदर्शन में किया गया। न्याययाधीश पटेल ने अध्यक्षीय उद्बबोधन में विधि विद्यार्थियों को विधिक सेवा प्राधिकरण एवं शासन की कल्याकणकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। साथ ही नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी भी दी गई।

न्यायाधीश श्री पटेल ने नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों बताते हुए विधिक सहायता योजना, पीड़ित प्रतिकर योजना की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि पीड़ित प्रतिकर योजना के माध्यम से अपराध से पीड़ित व्यक्तियों को शासन द्वारा इस प्रकार से सहायता दी जाती है। यह दायित्व् विधि के प्रत्येक विद्यार्थि का है कि वह प्रत्येक पीड़ित को यह जानकारी दे। विद्यार्थियों का यह भी कर्तव्य है कि वाहन चलाते समय मोटर व्हीकल एक्ट का पालन करे, उपेक्षापूर्वक और लापरवाही से वाहन ना चलाये। जो वाहन चला रहे है उनका बीमा भी आवश्यक रूप से हो तथा अपने निकट संबंधियों को भी इस विषय पर जागरूक करे।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. देवड़ा द्वारा विद्यार्थियों को उपयोगी विधिक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात समाज में विधिक जागरूकता प्रदान करने और सकारात्मक कार्यों में संलग्न रहने का संदेश दिया। विभागाध्यक्ष चन्द्रभान त्रिवेदी द्वारा विद्यार्थियों को विधिक कर्तव्यों का पालन करने की सीख देते हुए कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टॉफ डॉ. भरत सिंह ठाकुर, विपिन सोनी, अभिषेक सिंह लोधी एवं निशांत दुबे, मनोज भार्वे, शंशाक गोले, डॉ. निशा गर्ग तथा पैरालीगल वांरटीयर भी उपस्थित रहे एवं एल.एल.बी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अतिथि शिक्षकों ने उधारी में मनाया त्यौहार

छः माह बीत चुके किन्तु अतिथि शिक्षकों को नही मिला उनका मानदेय

सहायक आयुक्त ने दीपावली पर्व के पूर्व भुगतान करने के आदेश कर दिए थे जारी

माही की गूंज, उदयगढ़।
खलील मंसूरी

शिक्षा क्षैत्र लगातार शिक्षको की कमी होने के कारण इस बार भी शासन के आदेशो के तहत वर्ष 2023-24 शिक्षा सत्र मे भी विकास खण्ड उदयगढ में नियमानुसार अतिथि शिक्षकों की भर्ती की गई थी। जिसमे अतिथि शिक्षक वर्ग-1 में 10, वर्ग-2 में 94, वर्ग-3 में 197 शिक्षक इस प्रकार विकास खण्ड उदयगढ मे कुल 301 अतिथि शिक्षक माह जुलाई 2023 से अपनी नियमित सेवाए दे रहे है। किन्तु आज माह दिसम्बर का अंतिम सप्ताह बीत रहा है लेकिन अतिथि शिक्षकों को उनके मानदेय का भुगतान नही किया जा रहा है।जिससे उनको अपने परिवार के पालन पोषण करने मे काफी परेशानी हो रही है। साथ ही दिपावली जैसा महत्वपूर्ण त्यौहार भी उनको बिना मानदेय भुगतान के उधारी में मनाना पडा। अब जबकि 25 दिसम्बर को ईसाई समुदाय का विशेष मुख्य त्योहार भी निकल गया, जिसमे बहुत से शिक्षक ईसाई समुदाय से भी है उनको भी बीना मानदेय भुगतान उधारी में अपना त्यौहार अपने परिवार के साथ कैसे मनाया होगा इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

आपको बता दे कि, अतिथियो के मानदेय के भुगतान हेतु सहायक आयुक्त ने अपने कार्यालय कलेक्टर (जन जातीय कार्य विभाग) अलिराजपुर से दिनाक 23 अक्टूबर 2023 को आदेश क्रमाक- शिक्षा स्थापना/2023/8199 के तहत आदेश जारी कर जिले के समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारीयो को निर्देश दिये थे कि, अतिथि शिक्षक-शिक्षिकाओ को मानदेय का भुगतान नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह मे किया जाना सुनिश्चित करे। साथ ही आदेश में कहा था कि, मानदेय भुगतान नही होने संबधी कोई शिकायत कार्यालय को प्राप्त होगी तो समस्त जवाबदेह खण्ड शिक्षा अधिकारी की रहेगी। क्या अब सहायक आयुक्त महोदय खण्ड शिक्षा अधिकारी पर कोई कार्रवाई करेंगे या अपने एयरकेन्डिशनिंग वाले ऑफिस में चेन की नींद लेंगे।

सहायक आयुक्त को की शिकायत।

सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत।

उदयगढ विकासखण्ड मे ऐसे आदेशो का पालन नही किया जाकर अतिथि शिक्षक/शिक्षिकाओ को उनके मानदेय का भुगतान आज तक नही किया जा रहा है। अतिथि शिक्षको ने दिपावली पर्व भी बीना मानदेय के मनाया व क्रिसमस भी।

इस सबंध मे दिनाक 4 दिसंबर 2023 को अतिथि शिक्षक के ब्लाक अध्यक्ष कैलाश मंडलौई ने भी सहायक आयुक्त अलिराजपुर को अतिथि शिक्षको के मानदेय भुगतान को लेकर लिखित आवेदन प्रेषित कर तत्काल मानदेय भुगतान की मांग की थी। उसके बाद भी भुगतान नही किया गया और बजट नही है कहकर मामला टाल दिया जाता है। ऐसे में सहायक आयुक्त की भूमिका भी संदेह के घेरे में आती है। अब बेचारे अतिथि शिक्षक-शिक्षिकाए करे भी तो क्या करे...?

अनैतिक कार्यों के साथ ही बाइक स्टटं का स्थान बना शिक्षण संस्था

संस्था के कर्मचारी परेशान, करे तो क्या करें...?

माही की गूंज, आम्बुआ।

बस स्टैंड के समीप स्थित बालक तथा कन्या प्राथमिक शाला प्रांगण विगत लंबे समय से अनैतिक कार्यों के साथ-साथ बाइक स्टंट का स्थान बनता जा रहा है। संस्था के शिक्षक-शिक्षिकाएं परेशान है, वह करें तो क्या करें...? उन्हें उत्तर नहीं सूझ रहा है।

गूंज प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार प्राथमिक बालक एवं कन्या शाला जो की बस स्टैंड के समीप प्रमुख सड़क मार्ग के समीप है, इस संस्था के भवन में मतदान केंद्र भी है साथ ही शासन द्वारा आधार कार्ड सेंटर एक निजी केंद्र संचालक को एक कमरा दिया जाकर संचालित कराया जा रहा है। इस संस्था में एक नहीं अनेक समस्याएं व्याप्त है लेकिन हम अभी संस्था प्रांगण में होते अनैतिका कार्यो तथा बाइक स्टंट की बात कर रहे हैं। संस्था का प्रमुख दरवाजा गेट टूटा होकर 24 घंटे खुला रहता है। बस स्टैंड पर पेयजल हेतु कोई व्यवस्था नहीं होने से पानी पीने वाले तथा अन्य लोग पानी भरने वाले बेधड़क घुसते रहते हैं। यहां तक की संस्था के बाहर बने सुविधा घर में गंदगी भरी होने के कारण कई लोग शिक्षण संस्था में घुस जाते हैं और जहां जगह दिखती वहां मूत्र त्याग करने खड़े हो जाते हैं। यही नहीं शाम के बाद देर रात तक सुरा तथा धूम्रपान वालों के लिए यह सुनसान क्षेत्र सुविधाजनक बन जाता है। जहां आराम से अनैतिक कृत्य करते रहते हैं सुबह संस्था के कमरों के बाहर शराब, बीयर के बोतल तथा सिगरेट के टुकड़े तथा गुटखा पाउच के छिटे देखे जा सकते हैं। इसके एक कदम आगे यहां बाइकर्स कमरों के बाहर बने रैपं पर मोटरसाइकिल चढ़ा कर सामने दरवाजे से टकराते हैं जिससे लोहे का दरवाजा टूटा हुआ देखा जा सकता है। इस अनैतिक हरकतों को कौन रोके...? संस्था के शिक्षक-शिक्षिकाएं जब संस्था में आते हैं तो स्वयं सफाई करने को मजबूर होते हैं क्योंकि संस्था के पास ना तो चपरासी है और ना ही सफाई कर्मी है। ऐसी स्थिति में वे स्वयं परेशान है कि, करें तो क्या करें और किससे शिकायत करें प्रशासन को स्वयं इस और ध्यान देकर समस्या हल करना जरूरी माना जा रहा है।

नहीं थम रहा बाइकर्स का हुड़दंग, बच्चे को टक्कर मारी

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे में विगत महीनों से मोटरसाइकिल चालकों द्वारा तेज गति से वाहन दौड़ाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कस्बा निवासियों ने पुलिस थाने पर दोबारा कार्यवाही हेतु ज्ञापन देने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं होने से बाइकर्स के हौसले बढ़ रहे हैं।

आम्बुआ कस्बे के वार्ड क्रमांक 2-3 जो की व्यस्तम मार्ग माना जाता है। इस मार्ग पर मंदिर होने से दिन भर आना-जाना चलता रहता है के निवासी विशाल महेश्वरी के ढाई साल के इकलौते बालक को तेज गति से बाइक लेकर निकले युवक ने टक्कर मार दी तथा तेज गति से मंदिर मार्ग से होकर बोरझाड़ की और भाग गया। टक्कर से नन्हे बालक को पांव में तथा चेहरे आदि पर चोट आई जिसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उसके पांव में टांके लगाए जाकर उपचार किया गया। घटना से मोहल्ले तथा कस्बे में रोष व्याप्त है। पुलिस को ज्ञापन देने के बावजूद इन आंधी तूफान की तरह दो-दो नहीं चार पांच सवारियां बैठा कर बाइक दौड़ने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं होना बाइकर्स के हौसले बढ़ा रहा है।

प्रभु यीशु आप सभी को स्वस्थ और खुशहाल रखें- विधायक पटेल

माही की गूंज, आम्बुआ। ईश्वर सभी जगह मौजूद है वह सब पर नजर रखता है। प्रभु यीशु का आज जन्मदिन है इसलिए आप सभी को जन्मदिन की बधाई प्रभु यीशु आप सभी को स्वस्थ और खुशहाल रखें।

उक्त विचार जोबट विधानसभा क्षेत्र की नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती सेना महेश पटेल ने आम्बुआ में प्रभु यीशु के जन्मोत्सव पर ईसाई धर्मावलम्बीयों के कार्यक्रम में मंच से व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि, मैं आज विधायक हूं तो उसमें आप सभी का योगदान है। सभी समाज जनों के साथ ही ईसाई धर्म के मानने वालों का सहयोग में हमेशा याद रखूंगी। जिन्होंने विधानसभा चुनाव में मुझे तथा कांग्रेस पार्टी को भारी मतों से विजय दिलाने में अपना सहयोग दिया। प्रभु यीशु आप सभी परिवार के साथ हमेशा खुश रहे। सभी प्रभु यीशु के बताएं मार्ग पर चले तथा सेवा करते रहे कोई भी कार्य हो तो वह मुझे बताएं। मैं कार्य पूर्ण करने का भरसक प्रयास करूंगी तथा हमेशा आप लोगों के सुख-दुख में साथ खड़ी रहूंगी। कार्यक्रम में समाज जनों ने विधायक का भव्य स्वागत किया। श्रीमती पटेल के साथ ही कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता सरपंच रमेश रावत, अमान पठान, मस्तु बोहरा, कलसिंह कनेश, लोगसिंह बामनिया, थानसिंह भयडिया, फादर मुकेश डावर, हुसैनी भाई, घनश्याम चौहान, साजिद शेख सिराज खां, मुफजल बोहरा, विक्रम सिंह रावत (सरपंच ढेकालकुआं) आदि अनेक पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय में पालक-शिक्षक सम्मेलन का हुआ आयोजन

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

नगर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में पालक-शिक्षक सम्मेलन का आयोजन पालक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष जितेन्द्र अरोड़ा की अध्यक्षता व संस्था प्राचार्य निलेश शाह की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर संस्था में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ उनके पालक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सम्मेलन में उपस्थित पालकों को अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम से अवगत कराते हुए आगामी परीक्षा की जानकारी कक्षाध्यापको द्वारा दी गई। इस अवसर पर बच्चों के

पालको को संबोधित करते हुए संस्था प्राचार्य शाह ने कहा कि, बच्चों के शैक्षिक स्तर व उपलब्धि को उत्कृष्ट बनाने के लिये शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ-साथ पालकों को निरंतर विद्यालय में संपर्क बनाएं रखना जरूरी हैं। पालको को चाहिये परीक्षा के दौरान बच्चों को आवश्यक होने पर ही मोबाईल दे। उनकी स्वास्थ व अध्ययन पर विशेष ध्यान दे। वरिष्ठ शिक्षक शाहीद शेख ने पालकों को अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम के आधार समीक्षा करते हुए बच्चों बोर्ड परीक्षा में और अधिक पढ़ाई की बात कही। शिक्षक हेमेन्द्र गुप्ता ने क्षैत्रीय भाषा में पालकों को बच्चों की शिक्षा व उनकी प्रगति की जानकारी दी। शिक्षक शेखर कुशवाह ने पालकों से विद्यालय में सतत संपर्क रखने की बात कहीं।

कार्यक्रम में उपस्थित पालकों का स्वागत संस्था प्राचार्य निलेश शाह, आनंद ताहेड़, वरिष्ठ शिक्षक शाहीद शेख, मनोज सोनी,आशीष सोनी ने किया। बैठक में पालकों को स्वल्पाहार कराया गया। इस अवसर पर पालको के साथ संस्था के छात्र-छात्राओं सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था शिक्षिका शिवांगनी गौड़ ने किया व पालकों का आभार संस्था शिक्षक हेमेन्द्र गुप्ता ने माना।

कॉलेज चलो अभियान का शुभारंभ

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

शासकीय महाविद्यालय भाबरा (चंद्रशेखर आज़ादनगर) में कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत शासकीय कन्या शिक्षा परिसर संदा व एकलव्य आवासीय विद्यालय सेजावाड़ा में समिति द्वारा 12वीं के विद्यार्थियों से संपर्क किया गया। अभियान के शुभारंभ पर भाबरा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एसएस डोडवे ने बताया कि, अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को 12वीं के बाद पढ़ाई ना छोड़ने व उच्च शिक्षा में आगे बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित करना है। कॉलेज चलो अभियान समिति के नोडल अधिकारी संदीप बामनिया ने विद्यार्थियों को भाबरा महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया तथा 12वी के बाद उच्च शिक्षा हेतु अध्ययन जारी रखने तथा स्थानीय महाविद्यालय प्रवेश लेने के लिए अभिप्रेरित किया। डॉ. नवनीत सांकला द्वारा नवीन शिक्षा नीति 2020 व प्रवेश संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई तथा बताया गया की प्रवेश संबंधी किसी भी समस्या या संशय के निवारण हेतु प्रवेश के समय महाविद्यालय के हेल्प डेस्क से संपर्क करे। डॉ. वीरसिंह बरडे ने उच्च शिक्षा हेतु विषय चयन से संबंधित जानकारी दी। अभियान के दौरान दोनों विद्यालय में प्राचार्य, शिक्षक व छात्राए कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

विद्यालयो मे वार्षिक उत्सव का हुआ आयोजन

अच्छे नंबर से उत्तीर्ण होकर, पढ़ाई करके विद्यालय का नाम रोशन करोगे तो माता-पिता का भी नाम रोशन होगा- विधायक सेना पटेल

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय और शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय भाबरा में वार्षिक उत्सव मनाया। दोनों स्कूलों में अलग-अलग कार्यक्रम में हुए। दोनों ही स्कूलों में जोबट विधायक सेना पटेल व नगर परिषद अध्यक्ष निर्मला डावर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

मोबाइल का सही इस्तेमाल करें विद्यार्थी

उत्कृष्ट विद्यालय में वार्षिकोत्सव में सेना पटेल ने कहा, इस संस्था के शिक्षक काफी मेहनत कर रहे हैं। इसलिए विद्यार्थी भी अच्छी पढ़ाई कर आगे बढ़े। मैंने कक्षा 12वीं की परीक्षा इसी स्कूल से दी थी। इसलिए मैं आपकी संस्था से जुड़ी हुई हूं। आज गर्व हो रहा है कि, जिस संस्था से मैंने परीक्षा दी थी उसी में मैं विधायक के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित कर रही हूं। शासन की योजनाओं का लाभ लें, अच्छे नंबर से उत्तीर्ण हों। पढ़ाई करके विद्यालय का नाम रोशन करोगे तो माता-पिता का भी नाम रोशन होगा। हम चंद्रशेखर आजाद नगर की भूमि पर पढ़ाई कर रहे हैं, वो हमारे लिए सर्वोपरि है।

संस्था द्वारा की गई मांग पर पटेल ने कहा, यहां कक्ष में पतरे के शेड डले हुए है, आपकी विधायक होने के नाते विश्वास दिलाती हूं कि स्कूल के सारे काम स्वीकृत करवाकर लाएंगे। ताकि विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल हो और उन्हें पढ़ाई में परेशानी ना आए। सेना पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि मोबाइल का सही इस्तेमाल करें, मोबाइल में ज्ञानवर्धक चीजें देखें।

आपकी विधायक आपके साथ खड़ी है

कन्या स्कूल की बालिकाओं को संबोधित करते हुए जोबट विधायक सेना पटेल ने अपने भाषण में छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, पढ़ाई के अलावा खेल गतिविधियों में भी भाग लें। स्टेट और नेशनल लेवल पर खेलने का लक्ष्य रखें। जीवन में आगे बढ़ने के लिए मेहनत करना सबसे ज्यादा जरूरी है। अच्छे अंक लाकर अपने नगर, स्कूल व माता-पिता का नाम रोशन करें। अगर कोई भी समस्या है तो उसका समाधान करने के लिए आपकी विधायक आपके साथ खड़ी रहेगी। आप मुझे फोन करके भी समस्या बता सकते हो। स्कूल से हमें जो होम वर्क मिलता है उसे उसी दिन पूरा करें और समय का सदुपयोग करें। समय के साथ चलेंगे तो अपनी मंजिल तक पहुंचेंगे। अगर स्कूल में कमरे की कमी है तो मुझे लिखकर दें कमरों की समस्या दूर की जाएगी। पटेल ने शासन की योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान विद्यार्थियों से किया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष ने छात्राओं मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता पिता व विद्यालय का प्रदेश में नाम रोशन करने की बात कही।

यह थे मौजूद

दोनों कार्यक्रमों में बीईओ विनोद कुमार कोरी, देवेंद्र बैरागी, उत्कृष्ट प्रचार्य निलेश शाह, नारायण अरोड़ा, मदन डावर, लईक शेख, राजेश जैन, गुड्?डु अखलाक मकरानी, मयंक सोनी, आदिल शेख, अश्विन चौहान, विशाल अरोड़ा, कपिल सोनी, शाहिद खान, हेमन्त गुप्ता, शैखर, सहित दोनों स्कूल के स्टाफ मौजूद रहा।

कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर अतीशबाजी कर मनाया जश्न

माही की गूंज, अलीराजपुर।

म.प्र. की डॉ. मोहन यादव की सरकार का गठन किया गया। जिसमे आलीराजपुर के विधायक नागर सिह चौहान को केबिनेट मे शामिल किए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को शुभकामाये देते हुए आतिशबाजी कर मिठाई बाटी गई। इस अवसर पर मंडल महामंत्री डीम्पु राठौड़ व पूर्व उपसरपंच जितेन्द्र वाणी ने कैबिनेट मंत्री नागर सिह चौहान को दूरभाष पर अपनी और से मंगलकामनाए प्रेषित कर खुशी का एजहार किया गया। भाजपा नेता ने प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, शाह सहित राज्य के नेताओ मे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिह चौहान, वीडी शर्मा सहित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार माना। लंबे अरसे से इस आदिवासी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व् करने पर प्रदेश नेतृतव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

श्री चौहान एवं सुश्री भूरिया के मंत्री बनने पर दी बधाई

माही की गूंज, आम्बुआ।

विधानसभा अलीराजपुर क्षेत्र के निर्वाचित भाजपा विधायक नागरसिंह चौहान जो की पूर्व में भी विधायक रहे साथ ही भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे पदों पर रहे चौहान तथा झाबुआ जिले की पेटलावद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की विधायक तथा पूर्व मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया को गठित मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री पद पर नियुक्ति पर आम्बुआ क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी हर्ष व्याप्त है। सभी ने दोनों मंत्रियों को बधाई देते हुए भाजपा आलाकमान का आभार माना है। साथ ही कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर हर्ष मनाया।

माही की गूंज का सटीक विश्लेषण फिर हुआ साबित

शह और मात के खेल में फिर आगे निकले भानू भूरिया, फिर बने जिलाध्यक्ष

जिला भाजपा में अब ज्यादा बढ़ जाएगी गुटबाजी, वार और तकरार का दिख सकता है खेल

माही की गूंज, झाबुआ।
मुजम्मिल मंसूरी

विधानसभा चुनावों के बाद जिले में भाजपाई संगठन में जिलाध्यक्ष को लेकर उपजा विवाद अब शायद शांत हो चुका है। चुहा दौड़ बिल्ली आई के इस खेल में विधानसभा हारने के बाद जो मात भानू भूरिया ने खाई थी। उसके जवाब में एक बार फिर भानूदय हुआ और भानू भूरिया फिर से एक बार भाजपा जिलाध्यक्ष घोषित कर दिए गए। प्रदेश संगठन के निर्देश पर फिर से जिलाध्यक्ष पद पर बहाल हुए भानू ने घोषणा होते ही सोशल मीडिया पर इसकी सूचना संगठन का आभार व्यक्त करते हुए साझा की। भानू समर्थकों में यह खबर पहुंचते ही सोशल मीडिया पर बधाईयों का दौर शुरू हो गया। भानू समर्थकों ने विरोधियों को चिडाते और उपहास उड़ाते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की जिसमें लिखा था ''क्या समझे थे नहीं लौटेंगे... लो फिर आ गए''। बधाई के साथ सोशल मीडिया पर इस तरह की तमाम पोस्ट भानू भूरिया समर्थकों द्वारा की जाकर खुशियां मनाई जा रही है। भानू के एक बार फिर जिलाध्यक्ष बनने पर जिला मुख्यालय सहित जिले के कई कस्बों, शहरों में आतिशबाजी भी की गई।

माही की गूंज इस मुद्दे पर लगातार अपने विचार और विश्लेषण रखता रहा है। विधानसभा चुनावों में भानू के भाजपा प्रत्याशी बनने और प्रवीण सुराना के कार्यवाहक अध्यक्ष बनने के बाद परिस्थितियों पर माही की गूंज की लगातार नजरें रही है। अब जबकि मंगलवार को भोपाल से भाजपा प्रदेश संगठन से हुई घोषणा के बाद माही की गूंज के वे सभी विचार और विश्लेषण सटीक साबित हुए है जो इस मुद्दे पर लिखे गए थे। विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष के उपजे विवाद पर की गई टिप्पणी भी सटिक ही साबित हुई है। 14 सितम्बर के छपे माही की गूंज के आलेख में हमने इस स्थिति को स्पष्ट करते हुए यह लिख दिया था कि ''भानू के जिलाध्यक्ष पद से इस्तीफे को लेकर किसी तरह का कोई आदेश देखने में नहीं आया है। हमने यह भी बताया था कि, प्रवीण सुराना महज कार्यवाहक अध्यक्ष ही है। यदि झाबुआ विधानसभा से भानू भूरिया हार जाते है तो क्या वे अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे और अगर ऐसा होता है तो ''क्या प्रवीण सुराना को प्रदेश संगठन ने बली का बकरा बनाया है।''

इसके अलावा माही की गूंज ने एक और विश्लेषण अपने पाठकों के बीच रखा था कि ''कहीं प्रवीण सुराना का कार्यवाहक अध्यक्ष बनना भानू भूरिया के लिए नुकसान दायक तो नहीं है। चूंकि प्रवीण सुराना मतलब राजगढ़ नाका, राजगढ़ नाका और भानू के बीच कोई सामंजस्य नहीं, बल्कि इन्हे हमेशा ही एक दूसरे के विपरीत ही देखा गया है। माही की गूंज की यह टिप्पणी भी सटीक साबित हुई और भानू भूरिया भीतरघात के चलते विधानसभा चुनावों में निपट गए। इस पूरे घटनाक्रम में काफी उथल-पुथल देखने को मिली है। जिलाध्यक्ष पद को लेकर हुए तकरार में भानू और प्रवीण दोनों ही जिलाध्यक्ष होने का दावे करते भी दिखाई दिए थे। 26 दिसम्बर को प्रदेश भाजपा संगठन ने स्थितियों को स्पष्ट करते हुए फिर से भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए भानू भूरिया का नाम घोषित कर दिया है। जबकि प्रवीण सुराना अपने पूर्व के दायित्व पर ही रहेंगे। कुल मिलाकर प्रवीण सुराना को संगठन ने चाय में गिरी मक्खी की तरह एक तरफ कर दिया है। या यूं कहें कि विधानसभा चुनावों मे हुई हार-जीत पर बली का बकरा बना दिया गया है। इसके अलावा विधानसभा चुनावों में भीतरघात के आरोप भी अब सुराना के दामन पर ही देखे जा रहे है।

प्रवीण सुराना के कार्यवाहक अध्यक्ष बनते ही भाजपा एक धड़े में जो लालसा पैदा हुई थी वह भी ठंडे बस्ते में जाती दिखाई दे रही है। भाजपा का यह धड़ा अपना कार्यवाहक अध्यक्ष बनने पर अपनी खोई हुई जमीन तलाशने निकल पड़ा था। मगर उसे इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि जिस कस्ती पर वह सवार है, उस कस्ती में छेद है। एक कहावत यहां याद आती है और बहुत प्रचलित भी है कि ''बोए पेड़ बबूल के तो आम कहां से होए''। तमाम तरह के हथकंडे अपनाने के बावजूद भाजपा का यह धड़ा भानू के कद को प्रदेश संगठन के सामने गिराने में सफल नहीं हो सका। प्रदेश में भाजपा सरकार वजूद में आने के बाद भी जिले में भाजपा के इस धड़े को काफी उम्मीदें थी कि, वे पावर में आएंगे, लेकिन स्थितियां और हालात ऐसे बने ही नहीं कि यह गुट अपनी जमीन तलाश कर सके। कुल मिलाकर प्रदेश संगठन और सरकार में भी अब इस गुट को शरण देने वाला कोई दिखाई नहीं पड़ता। खैर यह समय का फैर है और इसे पलटते देर नहीं लगती।

इधर विधानसभा चुनावों में भीतरघात का शिकार होते हुए पराजय का सामना करने वाले भानू भूरिया को पुनः जिलाध्यक्ष बनाया जाना इस बात का प्रमाण है कि भानू का कद अब प्रदेश संगठन व सरकार में बहुत बड़ा हो चुका है और इससे पार पाना किसी भी विरोधी के लिए शायद बहुत ही मुश्किल साबित होने वाला है। विधानसभा चुनावों के पहले भाजपा जिलाध्यक्ष का दायित्व निभा रहे भानू भूरिया को प्रदेश संगठन ने झाबुआ विधानसभा से अपना प्रत्याशी घोषित किया था। जिसके बाद भाजपा जिला संगठन को कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में प्रवीण सुराना को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जिसका नुकसान सीधे तौर भानू भूरिया को हार का सामना कर चुकाना पड़ा था। विधानसभा चुनावों में हार के बावजूद प्रदेश संगठन ने भानू को अपनी शरण में लेते हुए पुनः जिले में भाजपा जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया। भाजपा प्रदेश संगठन की राजनीति प्रदेश संगठन ही जाने लेकिन जिले की राजनीति में घटे इस घटनाक्रम के कई मायने निकाले जा सकते है। यह माना जा रहा है कि भानू भूरिया अब विधानसभा चुनावों में हुए भीतरघात से और भी परिपक्व हो चुके है और अब वे ''दूध का जला, छांछ को भी फूंक-फूंक कर पीता है'' की तर्ज पर काम करेंगे। इस बात का संकेत खुद भानू भूरिया चुनाव हारने के बाद दे चुके है। 5 दिसम्बर को उन्होने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए कहा था कि ''चुनाव के समय जिस खेमे में थे उसी में रहना, चले नहीं आना, क्योंकि सारे भीतरघाती चिन्हित है।''

अब जिले में देखने वाली बात यह होगी कि क्या एक बार फिर भाजपा के दो धड़ों में घमासान मचेगा। क्योंकि निपटने और निपटाने का खेल तो भाजपा में विधानसभा चुनावों के पहले से ही शुरू हो चुका है। जिलाध्यक्ष बनने के बाद भानू भूरिया विधानसभा चुनावों में अपने साथ हुए भीतरघात का बदला लेंगे...? और अगर ऐसा होता है तो भाजपा का एक धड़ा इसका निशाना बनेगा...? या फिर भाजपा के इस धड़े की और कोई प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी..?

वैसे यह दशकों पुराना इतिहास रहा है कि, जिले में भाजपा हमेशा ही दो धड़ों में बंटी हुई दिखाई दी है। कुछ वर्षों पहले जिला भाजपा में दो धड़े हुआ करते थे, जिसमें एक राजगढ़ नाका था तो दूसरा राजवाड़ा इन दो गुटों में समय-समय पर काफी उठा पटक देखने को मिलती रही। समय के साथ राजवाड़ा ग्रुप गर्त में चला गया। समय बदल चुका है लेकिन भाजपा की यह गुटबाजी जिले से कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब तकरार में फिर भाजपा के दो गुट है, जिसमें राजगढ़ नाका और भानू गुट आमने -सामने है। अब राजवाड़ा ग्रुप की तरह राजगढ़ नाका ग्रुप भी अपने अस्तित्व के लिए लड़ाई लड़ता नजर आ रहा है। यहां एक बात और सामने दिखाई पड़ती नजर आरही है कि, जो राजवाड़ा ग्रुप गर्त में जा चुका था शायद इस बार वापस अपनी लय में आ सकता है। चर्चाओं का दौर तो यूं भी गर्म है कि राजवाड़ा ग्रुप के प्रमुख चुन्नु शर्मा का मुख्यमंत्री मोहन यादव के शपथ ग्रहण समारोह में जाना और सोशल मीडिया पर उस तस्वीर का वायरल होना कई तरह के संकेत दे रहा है। इस तस्वीर को लेकर चर्चाएं तो यह भी सामने आ रही है कि, एक फिर राजवाड़ा ग्रुप सक्रिय राजनीति में उभर कर सामने आ सकता है। क्योंकि राजवाड़ा ग्रुप का अब सीधे तौर पर मुख्यमंत्री यादव से सीधा सम्पर्क माना जा रहा है। अगर यह बात कहीं भी जाकर सत्य साबित होती है तो फिर जिले में भाजपा के तीन गुट गिनती में आने की संभावना भी है। राजवाड़ा, राजगढ़ नाका और भानू ग्रुप। हालांकि इन तीनों ग्रुपों में मजबूत स्थिति में राजवाड़ा ग्रुप को देखा जा रहा है। मगर भानू भूरिया की प्रदेश संगठन में मजबूत पकड़ को भी नकारा नहीं जा सकता। तीसरा ग्रुप राजगढ़ नाका है जो अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है और हो सकता है कि इस बार राजगढ़ नाका गर्त में चला जाए।

कुल मिलाकर शह और मात के इस खेल में इस बार भानू भूरिया फिर आगे निकलने में कामयाब रहे है। चुनाव हारने के बावजूद वे फिर से जिलाध्यक्ष बनकर पूरे जिले में राज करेंगे। मगर हालात यह बताते है कि उनकी इस अध्यक्षता में भाजपा फिर एक बार गुटबाजी का गंभीर रूप से शिकार होगी। क्योंकि जिला भाजपा में अब सामंजस्य वाली स्थितियां लगभग समाप्त होती दिखाई दे रही है। भीतरघातियों को निशाना बनाया जाना भी तय है। अगर स्थिति ठीक रही तो भाजपा में तीसरे गुट का उभर कर आना भी तय है।

व्यापारी पर दिन दहाड़े अज्ञात हमलावरों ने किया हमला, की लूट

विरोध में स्थानीय व्यापारी संघ ने निकाली रैली व प्रशासन को दिया ज्ञापन

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार को रूपगढ़ से होकर गोपालपुरा जा रहे स्थानीय व्यापारी पर अज्ञात बदमाशों ने हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया और उनसे लूट पाट की। लूटपाट के दौरान व्यापारी से इस कदर मारपीट की गई। घायल व्यापारी को इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया। उक्त मामले के बाद पुलिस व्यवस्था को लेकर स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश बढ़ गया। स्थानीय पुलिस प्रशासन की घोर उदासीनता से क्षेत्र में दिन प्रतिदिन बढ़ रही आपराधिक घटनाओं के विरोध में ओर स्थानीय व्यापारी सुनील सोनी के साथ घटी दिनदहाड़े प्राणघातक हमले ओर लूट की घटना को लेकर स्थानीय व्यापारी संघ ने अपराधों पर अंकुश लगाने व अपराधियो के खिलाफ़ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की मांग को लेकर पुराने बस स्टैंड से रैली निकाली व तहसील परिसर में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम अनिल राठौड़ को ज्ञापन सौपा। इस अवसर पर एसडीएम श्री राठौड़ ने समस्त व्यापारी संघ को आश्वस्त किया है कि, जल्द से जल्द अपराधियो को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी व आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश हेतु कठोर कदम उठाए जाएंगे। उक्त रैली में स्थानीय पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए व्यापारी संघ ने स्थानीय पुलिस प्रशासन की उदासीनता व लापरवाही से क्षेत्र में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं की पुरजोर से निंदा की व कहा कि यदि शीघ्र स्थानीय पुलिस प्रशासन ने इस ओर कोई कठोर कदम नही उठाये तो व्यापारी संघ द्वारा आंदोलन किया जाएगा। व्यापारी संघ आक्रोश रेली में पदाधिकारी व बड़ी संख्या में व्यापारीगण विशेष रूप से उपस्थित थे। ज्ञापन का वाचन जितेंद्र कटकानी ने किया। आभार जितेंद्र मेहता ने माना।

बड़ी संख्या में मामा भक्तों ने पहुंच कर लिया आशिर्वाद, अव्यवस्थाओं के बीच अनुयाईयों ने रखा अनुशासन

माही की गूंज, बामनिया।
गौरव भण्डारी

26 दिसम्बर को मामा बालेश्वर दयाल की 25 वी पुण्यतिथि पर हर बार की तरह इस बार भी भक्तो का सैलाब उमड़ा। यहां 25 ओर 26 दिसम्बर को बडी संख्या में मामा के अनुयायी पहुँचे और मामा जी के आश्रम और उनके समाधी स्थल पर पहुँच कर फूल माला अर्पण कर आशीर्वाद लिया। हर बार यहां आने वालों की संख्या में प्रतिवर्ष इजाफा होता जा रहा है और मामा जी की पुण्यतिथि अब मेले में परिवर्तित हो चुकी हैं। प्रशासन द्वारा व्यवस्था के नाम पर अन्य राज्यो से आने वाले मामा भक्तो के वाहनों को खड़े रहने और आवाजाही के मार्ग को दुरस्त करने के अलावा कोई व्यवस्था-सुविधा नही की जाती है।

यहां पहुँचने वाले मामा भक्तो की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि, अव्यवस्था के बीच अनुशासन बनाये रखा और किसी प्रकार की भगदड़ या शोर शराबा नही किया और कतार में लग कर घण्टो के इंतजार के बाद मामाजी के दर्शन किये।

कोई बड़ा नेता नही पहुँचा, स्थानीय नेता भी रहे नदारत

समाजवादी चिंतक रहे मामा जी राज्यसभा सांसद भी रहे और उनके अनुयाईयो में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पूर्व रक्षा मंत्री जाज फर्नांडिस, शरद यादव , मुलायमसिंह यादव,जमुनादेवी सहित कई बड़े राष्ट्रीय नेता रहे हैं । मामा जी की पुण्यतिथि पर उनके शिष्य आते-जाते रहे हैं। लेकिन इस बार कोई बड़ा नेता नही पहुँचा । जनता दल यू के प्रदेशाध्यक्ष सूरज जायसवाल, पूर्व युवा जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद यादव, सिर्फ जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष हरिओम सूर्यवंशी इस बार उपस्थित हुऐ। सबसे बड़ी बात स्थानीय राजनीति की और सांसद, विधायक या जयस की और से कोई बड़ा नेता या उनका प्रतिनिधि इस महा आयोजन में नही पहुँचा।

स्थानीय प्रशासन और पंचायत की अनदेखी

मामा जी की पुण्यतिथि पर बढ़ते लाव लश्कर को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पंचायत की ओर से कोई खास व्यवस्था नही देंखने को मिली। जबकि किसी भी ऐसे आयोजन में जहा 5 हजार से अधिक लोग आते हैं उसकी व्यवस्था स्थानीय एंजेसी की होती है। लेकिन यहां वर्षों से ऐसा कुछ देंखने को नही मिला।

लोकसभा क्षेत्र के तीन विधायकों को मिली मंत्री मंडल में जगह , लोकसभा क्षेत्र में गुमानसिंह की रिपोर्ट खराब

निर्मला भूरिया को कैबिनेट मंत्री बनने पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल

माही की गूंज, पेटलावद।

मध्यप्रदेश की नई सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। डॉ. मोहन यादव के इस मंत्रिमंडल में रतलाम संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा सिटों में से तीन पेटलावद, रतलाम ओर आलिराजपुर विधानसभा को मंत्री मंडल में स्थान देकर भाजपा ने यह कोशिश की है कि, इस संसदीय सीट पर 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी पकड को मजबूत रखा जाए और आदिवासी वोट बैंक उसके हाथ से खिसक नहीं सकें। इसे मोदी-शाह का लोकसभा चुनाव को देखते हुए आदिवासी वोट बैंक पर पकड बनाये रखने और आदिवासी क्षेत्रों की लोकसभा सीटों को साधने व आदिवासीयों के प्रति भाजपा का झुकाव के रूप में भी देखा जा रहा है।

पेटलावद से पहली बार सुश्री निर्मला भूरिया केबिनेट में

पाँचवी बार जीत कर विधानसभा पहुँची सुश्री निर्मला भूरिया को राजनिति अपने पिता से विरासत में मिली । सुश्री भूरिया स्नातक तक पडी और निर्मला भूरिया 1993 में पहली बार झाबुआ जिले की पेटलावद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुई उसके बाद वे 1998, 2004, 2013 तथा 2023 में पांचवी बार विधायक चुनी गई है। सुश्री निर्मला भूरिया को एक बार 2008 में प्रदेश में राज्य मंत्री लोक स्वासथ्य एवं परिवार कल्याण के रूप में रह चुकी हैं। इसके बाद अब एक लंबे अंतराल के बाद डां.मोहन यादव मंत्रिमंडल में सुश्री निर्मला भूरिया को केबिनेट मंत्री के रूप में स्थान मिला है। निर्मला भूरिया के कैबिनेट मंत्री बनने से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं द्वारा उनको बधाई दी जा रही है ।

गुमानसिंह का रिपोर्ट कार्ड खराब

वर्तमान सांसद गुमानसिंह डामोर की स्थिति खराब है और विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी द्वारा करवाये गए विधायको के सर्वे में गुमानसिंह के नाम पर काफी शिकायते दर्ज करवाई गई। यहा तक कि, चुनाव के दौरान भी चुनाव लड़ रहे विधायको ने भी सांसद गुमानसिंह को अपने प्रचार प्रसार से दूर रखा । लोकसभा की आठ सीटो में भाजपा की झोली में केवल 04 सीटे ही आ पाई जो कही न कही इस बार भाजपा के लोकसभा में कमजोर परिणाम भी इस ओर इशारा कर रहे हैं।

पता बदल रहा, लेकिन दरवाजा अब भी खुला है- शिवराज

भोपाल।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान ने सीएम आवास खाली कर दिया है। डेढ़ दशक से अधिक समय तक (बीच में करीब 15 महीने छोड़कर) मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज को पार्टी ने इस बार ऐतिहासिक जीत के बावजूद पदमुक्त कर दिया है। शिवराज को संगठन में नई जिम्मेदारी देने की चर्चा है। पार्टी ने उनकी जगह अब मोहन यादव को नया मुख्यमंत्री बनाया है।

सीएम आवास से निकलते हुए शिवराज ने कहा कि, उनका पता जरूर बदल रहा है, लेकिन उनके घर के दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे। सीएम आवास में पहले पूजा और फिर कर्मचारियों से मुलाकात करते हुए उन्होंने विदाई ली। खुद को प्रदेश का मामा कहने वाले शिवराज ने अपने नए बंगले का पता भी बताया और कहा कि जब भी किसी को मदद की जरूरत हो, जरूर आए।

शिवराज ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर विदाई की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, मेरे प्यारे भाइयों और बहनों नमस्कार, मैं आज मुख्यमंत्री निवास से विदा ले रहा हूं, यह निवास के साथ-साथ मेरी कर्मस्थली भी रहा है। आज पता बदल रहा है, लेकिन आपके भैया, आपके मामा के दरवाजे हमेशा आपके लिए खुले रहेंगे। जनसेवा का यह संकल्प मेरे नए पते बी-8, 74 बंगले से भी जारी रहेगा। जब भी आपको अपने भैया, अपने मामा की सहायता की जरूरत हो, आप बेहिचक घर पधारिए। मैं आपकी सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा, यह मैं आपको वचन देता हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422